हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 12 मई 2024

तापमान
अधिकतम 37 .4 डिग्री
न्यूनतम 23 .5 डिग्री

10 लोक अदालत में 12619 मामलों का हुआ निपटान

10 रेलवे स्टेशन से मिला लावारिस बच्चा

तेज आंधी व बरसात से जन-जीवन अस्त-व्यस्त, रात भर गुल रही बिजली

कई गांव भी अंधेरे में डूबे रहे, खुद कसरत कर ग्रामीणों ने यातायात को बहाल करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

शुक्रवार को आई तेज आंधी व बरसात के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त रहा। तेज आंधी के कारण बराड़ा-दोसडक़ा, बराड़ा-शाहाबाद, तंदवाल बराड़ा रोड़ पर सडक़ किनारे सफेदे के पेड़ सडक़ों पर गिर गए जिससे वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों, राहगीरों व स्थानीय लोगों ने सडक़ पर गिरे पेड़ों को साईड में कर यातायात सुचारू किया। ग्रामीण इलाकों में शनिवार सुबह के समय स्थानीय लोगों ने सडक़ पर गिरे पेड़ों को उठाकर सडक़ों को क्लीयर किया। हलांकि इस बरसात व ओले के कारण दो दिनों से ज्यादा पड़ रही गर्मी से निजात मिली।

■ सडक़ किनारे सफेदे के पेड़ सडक़ों पर गिर गए, वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा

तेज हवा से टूटी पड़े पेड़ व बिजली की तारें। फोटो : हरिभूमि

शाम के समय आई तेज आंधी के कारण बिजली के पोल व तारें टूट गई जिस कारण इलाके में बिजली सप्लाई बाधित हो गई। तेज आंधी के कारण यहां के लाईन पार इलाके, तंदवाल, तंदवाली, चहलमाजरा, दादूपूर व अन्य ग्रामीण इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित हो गई जिससे लोगों को रात भर बिना बिजली के रहना पड़ा। तेज आंधी के कारण इलाके में बिजली के पोल टूटे तथा कई जगह बिजली की तारें टूट गई। रात में ही बिजली विभाग की ओर से कर्मचारी काम पर जुट गए थे ताकि बिजली सप्लाई सुचारू की जा सके, कुछ इलाकों में तो बिजली रात के समय में ही शुरू हो चुकी थी लेकिन कई जगह बिजली शनिवार सुबह तक भी नहीं आई थी। इतना ही नहीं ग्रामीण इलाकों में शनिवार को दिन में भी बिजली के कई बार कट लगे जिससे ग्रामीण परेशान रहे।

4-5 जगह बिजली के पोल टूटकर गिरे

तेज हवा के कारण इलाके में 4-5 जगह बिजली के पोल टूटे तथा कई जगह तारें टूट गई थी। विभाग के कर्मचारी रात को ही काम में जुट चुके थे कई जगह की सप्लाई को तो रात में ही शुरू करवा दिया गया था लेकिन कुछ एरिया में शनिवार सुबह को सप्लाई शुरू हो पाई थी।
विशाल सैनी, एसडीओ, बिजली निगम

पानीपत में आंधी में गिरे पेड़ बिजली के खंभे व ट्रांसफार्मर

इसराना क्षेत्र के खेतों में पड़े ट्रांसफार्मर का दृश्य व पानीपत में आई आंधी में ग्रोवर फैक्टरी में गिरा शेड।

इसराना। पानीपत के शहरी व ग्रामीण अंचल विशेषकर इसराना क्षेत्र में शनिवार की रात को तेज आंधी व बारिश ने जहां गर्मी से राहत दी। वहीं यह लोगों के लिए आफत बन गई। तेज आंधी से क्षेत्र की सडकों के किनारे लगे कई पेड़ उखड़ कर सडक पर गिरने से यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। वहीं बिजली के पोल भी गिर गये। कई जगहों पर बिजली ट्रांसफार्मर और लाइनें टूट गई। जिसके चलते क्षेत्र में 22 घंटों से अधिक समय हो चुका है पर बिजली चालू नहीं हो पाई है। बिजली व्यवस्था ठीक करने में बिजली विभाग के साथ-साथ अन्य ग्रामीण भी व्यस्त नजर आए। वहीं सडकों पर गिरे पेड़ों को ग्रामीणों ने ही काट काट कर सडक से हटाया गया। आंधी ओर बारिश से ईंट भट्ठो पर कच्ची ईंटे बारिश ओर आंधी के चलते पूरी तरह से खराब हो गई।

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बराड़ा। धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी राजेश कुमार को गिरफ्तार किया है। अब उसे एक दिन के रिमांड पर लिया है। गांव मिल्क शेखां के संजीव कुमार ने 17 अप्रैल 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 17 जुलाई 2023 को आरोपी राजेश कुमार व अन्य ने उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का अपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की। अब आरोपी से पूछताछ चल रही है।

24 बोतल शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना शहजादपुर क्षेत्र से अवैध शराब की तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी गुरचरण सिंह को 24 बोतल शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी शराब की तस्करी का कारोबार करता है। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपी को रेड कर काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से शराब जब्त की।

पानीपत में दो चोरों से चार बाइक बरामद

पानीपत। सीआईए श्री पुलिस टीम ने बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर चोर को सेक्टर 24 उझा मोड़ से गिरफ्तार किया। आरोपियों से बाइक चोरी की चार वारदातों का खुलासा हुआ। आरोपियों की पहचान सागर निवासी न्यू क्रांति नगर व आशीष निवासी सतकरतार कॉलोनी के रूप में हुई। सीआईए श्री प्रभारी इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की चार बाइक बरामद की है।

गीता निकेतन विद्या मंदिर में मनाया टेक्नोलॉजी-डे

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन विद्या मंदिर सेक्टर-3 विद्यालय में नेशनल टेक्नोलॉजी-डे मनाया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को नई-नई प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी देना और भारत के महान वैज्ञानिकों के आविष्कारों के बारे में बताना था। इस दौरान छात्रों ने टैक्नोलॉजी से संबंधित अनेक गतिविधियां की। टेक्नोलॉजी पर आधारित मॉडल के बारे में बताया और उनका प्रयोग करके भी दिखाया गया।

कार चालक की लापरवाही से हुए हादसे में महिला की मौत

अंबाला। कार की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन की बाजू टूट गई। सड़क के साइड में गिरने से महिला का बच्चा बाल-बाल बच गया। महिला अपने परिवार के साथ गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब पर माथा टेकने के बाद वापस घर लौट रही थी। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पंजाब के गांव हुमांयुपुर की पलविंदर सिंह ने बताया कि उसके पास 2 बच्चे हैं। दोनों शादीशुदा हैं। शनिवार को उसके बेटे गुरबीर सिंह की साली मनप्रीत कौर, उसका पोता गुरफतेह सिंह व उसकी बहू हरविंदर कौर बाइक पर गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब में माथा टेकने के लिए आए थे। जब वे गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब में माथा टेकने बाद शाम साढ़े 6 बजे माइंड ट्री स्कूल से थोड़ा आगे पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसकी बहू हरविंदर कौर, मनप्रीत कौर व पोता गुरफतेह सड़क की बाइक तरफ कच्चे में जा गिरे, लेकिन गाड़ी के टायर बहू हरविंदर कौर के मुंह व बाजू के ऊपर से निकल गए। हादसे में साली मनप्रीत कौर की दाहिनी बाजू टूट गई। हादसा इतना भयानक था कि हरविंदर कौर का आधा मुंह कुचल गया। वह राहगीरों की मदद से बहू हरविंदर कौर व मनप्रीत कौर को सिविल अस्पताल अंबाला शहर लेकर पहुंचा। यहां, डॉक्टरों ने हरविंदर कौर को मृत घोषित कर दिया, जबकि मनप्रीत कौर को एडमिट कर लिया। देर शाम हादसे की सूचना मिलने के बाद पंजोखरा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची यहां बयान दिए करके आगामी कार्रवाई की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

■ महिला अपने परिवार के साथ गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब पर माथा टेकने के बाद वापस घर लौट रही थी

यमुनानगर में स्मैक सहित युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यूनिट अंबाला की टीम ने गांव फैजपुर के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 22.15 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है।

■ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया

जानकारी के अनुसार ब्यूरो के उप पुलिस अधीक्षक जगबीर सिंह व यूनिट अंबाला प्रभारी इंस्पेक्टर सतबीर सिंह ने बताया कि रात को उनकी टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान उन्हें सूचना मिली थी कि गांव फैजपुर के पास एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा है। आरोपी नशीला पदार्थ सप्लाई करने की फिराक में है।

सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर जाकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 22.15 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान गांव फैजपुर निवासी कामिल के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में द्यपेश किया। जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है।

यमुनानगर में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम पकड़े गए आरोपी युवक को अदालत में पेश करने ले जाती हुई।

नशीले इंजेक्शन के तस्कर को पुलिस ने रिमांड पर लिया

आरोपी से 3500 नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन हुए थे बरामद, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस की टीम ने गांव गांजबड़ में घर से एक नशा तस्कर को नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन की खेप सहित गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की। आरोपी के पास से 3500 नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर खरीदार को भी गिरफ्तार किया। एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज सब इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि उनकी टीम वीरवार को देर शाम गश्त व जांच पड़ताल के दौरान टोल प्लाजा के पास मौजूद थी। टीम ने गुप्त सूचना पर गांव गांजबड़ निवासी राजपाल के घर पर दबिश दी तो एक युवक घर के बाहर खड़ा दिखाई दिया। युवक पुलिस टीम को देखकर तेज कदमों से चलने लगा। पुलिस टीम ने युवक को काबू कर पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान राजपाल पुत्र रघबीर निवासी गांजबड़ के रूप में बताई। युवक के घर की तलाशी ली तो अंदर बने तुड़े के कमरे से नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन की खेप बरामद हुई। बरामद इंजेक्शन की गिनती करने पर 500 बुप्रेनॉफिन, 1400 पेंटाजोसाइन ओजैटसेल, 1600 पेंटाजोसाइन पेफ्लिन नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन पाए गए। पूछताछ में आरोपी ने उक्त नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन करहंस गांव निवासी दुष्यंत से 70 रुपये प्रति इंजेक्शन के हिसाब से खरीदकर लाने बारे स्वीकारा। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर युद्धवीर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 7 नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद किये। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, आरोपी युद्धवीर को न्यायिक हिरासत जेल भेजा गया व आरोपी राजपाल को पुलिस रिमांड पर हासिल किया।

■ पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर खरीदार को भी गिरफ्तार किया

पानीपत पुलिस आरोपियों को कोर्ट में ले जाते हुए। फोटो : हरिभूमि

अब तक खरीदी 5 लाख 70 हजार 726 एमटी गेहूं

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि गेहूं खरीद के सीजन में अब तक खरीद एजेंसियों द्वारा अलग-अलग खरीद केन्द्रों से कुल 5 लाख 70 हजार 726 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। इस खरीद में से विभिन्न एजेंसियों द्वारा 5 लाख 15 हजार 5 मीट्रिक टन गेहूं का उठान कार्य पूरा कर लिया है। एजेंसियों द्वारा अब तक 89368 किसानों की गेहूं की फसल को खरीदा गया है। इस जिले में खरीद केन्द्रों पर गेहूं की खरीद का कार्य सुचारु रुप से चल रहा है। इन खरीद केन्द्रों पर किसान अपनी फसलों को लेकर अपने निर्धारित शेड्यूल के अनुसार खरीद केन्द्रों पर पहुंच रहे है। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर कहा कि खरीद केन्द्रों पर 11 मई 2024 तक खरीद एजेंसियां द्वारा 5 लाख 70 हजार 726 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है।

विद्यार्थियों के लिए वाटर कूलर किया भेंट

कुरुक्षेत्र। सामाजिक संस्था फिनिक्स क्लब द्वारा दिन प्रतिदिन बढ़ रही गर्मी को देखते हुए गांव कलाल में स्थित राजकीय विद्यालय में विद्यार्थियों को शीतल जल उपलब्ध करवाने हेतु एक वाटर कूलर भेंट किया गया। फिनिक्स क्लब के प्रधान धीरज गुलाटी ने बताया कि समाजसेवी गौरव ईशपूजानी द्वारा अपनी माता जी की याद में एक वाटर कूलर फिनिक्स क्लब के माध्यम से गांव कलाल माजरा के राजकीय विद्यालय में भेंट किया गया।

लोस चुनावों को लेकर जिला पुलिस अलर्ट

पिछले 24 घंटे में नाकों पर 20 लाख से ज्यादा कैश पकड़ा

करनाल । पुलिस अधीक्षक करनाल दीपक सहारन. के निर्देशानुसार लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पर है, जिसके तहत ही जिला पुलिस द्वारा जिला में अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी करके वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इस दौरान करीब 20 लाख से ज्यादा का कैश पकड़ा गया है। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर अपराधीक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस द्वारा सीलिंग प्लान के तहत नाके लगाए गए हैं, जिनसे गुजरने वाले सभी वाहनों की चेकिंग की जा रही है। आज प्रबंधक थाना इन्द्री की टीम द्वारा एस.एस.टी. की टीम के साथ मिलकर थाना क्षेत्र में खानपूर नाके व बदसौं नाके पर वाहनों की चेकिंग की गई, जो खानपूर चौक पर एक गाड़ी से 03 लाख रूपये व बादसौं नाके पर एक गाड़ी से 11 लाख पकड़े गए। थाना असंध क्षेत्र में लगाए गए गंगाटेहड़ी नाके पर वाहन चैकींग के दौरान 3 लाख पकड़े गए थे। इसके अलावा थाना मधुबन क्षेत्र में लगाए गए नाकों पर मंगलौरा नाका पर एक गाड़ी से 1,06,500/- रुपये व बसताड़ा टोल पर लगे नाका पर चैकिंग के दौरान 1,92,860/- रुपये पकड़े गए।

■ सीलिंग प्लान के तहत नाके लगाए गए

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन

कुरुक्षेत्र। आचार्यों को शिक्षण की नई- नई गतिविधियों एवं तकनीकों में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य हेतु गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य डॉ. संतोष देवांगन ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके बाद संस्कृत आचार्य भूपेंद्र शर्मा ने पी. पी. टी. के माध्यम से सभी को भारतीय ज्ञान परंपरा की शिक्षा में महता पर बल देते हुए बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा बालक का सर्वांगीण विकास करके, प्रकृति संरक्षण ज्ञान, आत्मनिर्भरता का प्रशिक्षण, समस्याओं के समाधान का प्रशिक्षण देकर समरस समाज का निर्माण करते हुए सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी भारतीय ज्ञान परंपरा का शिक्षा में समावेश पर विशेष बल देती है। शिक्षण कालांश के अंतर्गत विद्यालय आचार्या डॉ. गार्गी शर्मा ने छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास के उद्देश्य हेतु नैतिक मूल्यों का गिरता स्तर एवं उनके उत्थान के उपायों पर चर्चा की।

प्रति दिन 7.29 करोड लीटर पानी का हो रहा है दोहन

पानीपत में तेजी से गिर रहा है भूजल का स्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत में जमीन में पीने योग्य पानी का तेजी से दोहन हो रहा है। यही नहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा व्यर्थ बहाया जा रहा है। अगर यही हालात रहे तो आने वाले दस साल में पीने के पानी के लिए लोगों को बड़ी मुसीबत झेलनी पड़ सकती है। स्मरणीय है कि उल्लेखनीय है कि जनस्वास्थ्य विभाग या नगर निगम के बड़े ट्यूबवेल की गहराई 1000 से 1200 फुट तक पहुंच चुकी है, जबकि दस साल पहले 200 फीट तक भी पीने योग्य पानी मिल जाता था। इस समय शहर में करीब 635 ट्यूबेवल लगे हैं। जिनसे रोजाना करीब 122 एमएलडी तक पानी निकाला जा रहा है। अधिकारियों की एक रिपोर्ट के अनुसार शहरी एरिया की बात करें तो आमतौर पर रोजाना 7.29 करोड़ लीटर जल का दोहन हो रहा है। जबकि असल में आबादी के हिसाब से जरूरत केवल 4.75 करोड़ लीटर पानी की है। यह प्रति व्यक्ति की लागत से कई गुणा ज्यादा है। इस हिसाब से पीने योग्य करीब 2.67 करोड़ लीटर पानी नालियों में व्यर्थ बहाया जा रहा है। जो भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। जबकि जीटी रोड जोन को डार्क जोन घोषित किया जा चुका है। बावजूद शहर के कई बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान रोजाना अपने उद्योग के लिए करोड़ों लीटर पानी का दोहन तो कर ही रहे हैं। उल्टा जमीन में बड़े बोरवेल लगाकर केमिकल का पानी जमीन में छोड़ रहे हैं। जिससे एक ओर पीने के पानी निकाला जा रहा है तो दूसरी ओर बचे हुए जमीन के पीने को जहरीला बनाया रहा है। जबकि इन बड़े औद्योगिक घरानों को अपने खुद की सीईटीपी प्लांट लगाने चाहिए लेकिन प्लांट में ज्यादा लागत आने की वजह से जमीन में पानी छोड़ रहे हैं।

■ जरूरत 4.75 करोड लीटर की, 2.67 करोड लीटर पानी व्यर्थ बह रहा

हर नागरिक करें पानी का संरक्षण: डॉ दहिया

जल दोहन, इसे व्यर्थ बहाने और इसको बचाने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग हरियाणा सरकार के रसायन वैज्ञानिक एवं ऑडिटर, नेशनल एक्रिडेशन बोर्ड ऑफ टेस्टिंग एंड कोलेब्रेशन ऑफ लैब्रोरेट्री डॉ. सतीश कुमार दहिया ने बताया कि भविष्य में पीने के पानी से होने वाली किल्लत को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अगर पानी को नहीं बचाया गया तो भविष्य में पीने के पानी के लिए हर आदमी को बड़ी कीमत चुकानी होगी। लाइन में लगकर पीने का पानी लेने जैसे हालात बन सकते हैं। अभी समय है जिसमें प्रकृति की इस धरोहर को बचाया जा सकता है। वरना आने वाली पीढ़ियों के सामने जलसंकट गहराने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने बताया कि पानी को बचाने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग और जागरूकता ही एक मात्र विकल्प है। यूं तो सरकार की ओर से भी लोगों को पानी बचाने के लिए अलग अलग कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है लेकिन जब तक लोग खुद पीने के पानी को बचाने के लिए आगे नहीं आएंगे तब तक ये मुसीबत ज्यों कि त्यों खड़ी रहेगी। दूसरा वाटर हार्वेस्टिंग से भी बरसाती पानी को जमीन तक पहुंचाया जा सकता है। जिससे लगातार गिरते भूजल स्तर को कुछ हद तक रोका जा सकता है। तीसरा जमीन से पानी का दोहन कर रही फैक्टरियों पर प्रतिबंध लगाकर उन्हें सीईटीपी या एसटीपी का पानी देकर भी प्रकृति की इस अमूल्य धरोहर को बचाने में काफी मदद मिल सकती है।

तरावड़ी: हादसे में एक युवक की मौत

हादसे के बाद जेसीबी चालक फरार हो गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी के ललयानी रोड पर रात्रि 9 बजे एक सड़क हादसे में राइस मिल में काम करने वाले एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राइस मिल में काम करने वाले युवक अनिल कुमार 25 वर्षीय पुत्र गोनर सदय निवासी गांव चिकना जिला मधुबनी बिहार का रहने वाला है। मृतक के बुआ के लड़के ने रंजीत ने बताया कि रात को राइस मिल से काम निपटाकर राशन का सामान लेने के लिए चोपड़ी चौक की तरफ जा रहे थे। मैं और मेरा भाई अनिल से एस एस राइस मिल के पास पहुंचने पर मैं एक साइड में पेशाब करने के लिए चला गया। मेरा भाई अनिल कुमार सड़क के किनारे खड़ा हो गया। उसी समय कुड़क की ओर से एक तेज गति से जेसीबी आ रही थी। जेसीबी चालक ने अनिल कुमार को टक्कर मार कर फरार हो गया। अनिल कुमार को टक्कर लगते ही मौके पर गिर गया और उसके सिर में गहरी चोट आई। मैंने चिल्लाकर आसपास के लोगों को बुलाया और 112 नंबर पुलिस की सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंच गई और एंबुलेंस को सूचना दी गई पुलिस ने एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरावड़ी में ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृतक घोषित कर दिया।

■ ललयानी रोड पर हुआ हादसा

■ काम निपटाकर राशन का सामान लेने जा रहा था

अज्ञात जेबीसी चालक के खिलाफ मामला दर्ज

मृतक के भाई ने रंजीत कुमार बताया कि में राइस मिल में ठेकेदारी का कार्य करता हूं। दो दिन पहले ही बिहार से अपने बुआ के लड़के को अनिल कुमार को काम करने के लिए साथ में लेकर आया था। अनिल कुमार शादीशुदा है उसके पास डेढ़ साल की लड़की है पुलिस ने डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए कल्पना चावला करनाल भेज दिया है और अज्ञात जेबीसी चालक के खिलाफ मामला दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी

खबर संक्षेप

बीजेपी ने देश को सिर्फ लूटा : जौड़ामाजरा

शाहाबाद। पंजाब में आम आदमी पार्टी के कैबिनेट मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कुरुक्षेत्र लोकसभा से इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता के समर्थन में प्रचार किया। उनके साथ आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा मौजूद रहे। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री आदर्शपाल सिंह, जिला अध्यक्ष विशाल खुब्बड़, पूर्व विधायक अनिल धनतौड़ी, प्रेम हिंगाखेड़ी, रजनीश जैन, मान सिंह और जय भगवान छिब्बा भी मौजूद रहे। पंजाब के कैबिनेट मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि देश में बीजेपी को सत्ता से बाहर करने की लड़ाई छिड़ी हुई, जिसकी ताकत जनता के हाथ में है। बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर ने सत्ता चुनने के लिए हमें वोट का अधिकार दिया।

भारी संख्या में युवाओं ने थामा इनेलो का दामन

कुरुक्षेत्र। डेरा रामनगर पंचायत बारना के युवा साथियों ने इंडियन नेशनल लोकदल का दामन थामा। युवाओं ने कहा कि इनेलो पार्टी का युवाओं में रुझान देखने को मिल रहा है इसलिए आज हम इंडियन नेशनल लोकदल के साथ हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए तनुजा ने कहा कि हर रोज सैकड़ो की संख्या में इंडियन नेशनल लोकदल का परिवार बढ़ता जा रहा है और आज बारना पंचायत के युवाओं ने भी इनेलो पार्टी में शामिल होकर इनेलो पार्टी का परिवार बढ़ाया है। नैत्री तनुजा ने कहा कि जब हम डोर टू डोर करने जाते हैं तो लोगों का सम्मान बहुत ज्यादा मिलता है और लोग हमें अपना परिवार मानते हैं और इंडियन नेशनल लोकदल को सत्ता में लाना चाहते हैं।

भाजपा राज में युवा विदेशों में जा रहे : अभय

कुरुक्षेत्र। अपने चुनावी जनसंपर्क अभियान में अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा यह कहकर वोट नहीं मांग रही कि दस साल में किन-किन वायदों को पूरा किया है। केवल मोदी की गारंटी के नाम पर वोट मांग रही है। भाजपा के पास दस साल में किए काम के बारे में कुछ भी बताने को नहीं है। विकसित भारत के झूठे वायदे की बजाए भाजपा यह बताए कि दस साल में किया क्या है? विकसित भारत तभी बनेगा, जब हमारी सीमाएं मजबूत होंगी। सीमाएं फौजी से मजबूत होती हैं। भाजपा ने फौज को ही गिरवी रख दिया। सेना में फौजी को महज चार साल का कार्यकाल दिया जा रहा है। जिससे फौज को खत्म ही किया जा रहा है।

सीईओ विवेक चौधरी ने दी चुनाव संबंधी हर पहलू की चर्चा

करनाल विधानसभा उपचुनाव को लेकर पोलिंग पार्टियों को दी ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में लोकसभा और करनाल विधानसभा उपचुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। चुनाव को पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुचारू रूप से सम्पन्न करवाने में पोलिंग पार्टियों की अहम भूमिका होती है। करनाल विधानसभा उपचुनाव के संबंध में पोलिंग पार्टियों को शनिवार को स्थानीय डा. मंगलसेन सभागार में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ट्रेनिंग दी गई। ट्रेनिंग में सीईओ जिला परिषद विवेक चौधरी व एसडीएम अनुभव मेहता ने पोलिंग पार्टियों को चुनाव संबंधी हर पहलू पर विस्तृत जानकारी दी।

विवेक चौधरी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े प्रजातंत्र में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाने की जिम्मेवारी हमारे कंधों पर है। ऐसे में हमारी भूमिका पूर्णतः निष्पक्ष ही रहनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से हमारी नजदीकियां चुनाव को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में हमें भारत निर्वाचन आयोग की प्रत्येक गाइडलाइन का पालन करते हुए चुनाव को निष्पक्षता के साथ संपन्न करवाना है और इसके लिए हमारे द्वारा चुनावी प्रक्रिया की हर गतिविधि को पारदर्शी तरीके से अपनाना है। उन्होंने कहा कि चुनाव शुरू होने से पहले किया जाने वाला मॉक पोल चुनाव को पारदर्शी बनाने की सबसे अहम कसौटी है। विभिन्न राजनीतिक दलों के पोलिंग एजेंटों के समक्ष अपनाई जाने वाली इस प्रक्रिया की अहमियत को बताते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को अपनाने से चुनाव करवाना बेहद सरल हो जाता है।इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर द्वारा सीयू/बीयू, वीवीपैट के बारे में भी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

आचार संहिता का सभी करें पालन: उपायुक्त

- शांतिपूर्ण और व्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी आपसी तालमेल बनाए रखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा आम चुनाव-2024 व विधानसभा उपचुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों व राजनीतिक दलों के लिए चुनाव के दौरान क्या करना है और क्या नहीं करना (डूज एंड डोंट्स) के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों का चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक उम्मीदवारों व राजनीतिक दलों को अनुपालना करनी अनिवार्य है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को सार्वजनिक स्थानों जैसे कि मैदान और हेलीपैड निष्पक्ष रूप से उपलब्ध होना चाहिए। चुनाव के दौरान अन्य राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की आलोचना केवल उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड और कार्यों तक ही सीमित रहनी चाहिए। इसके अलावा, शांतिपूर्ण और विवेकपूर्ण घरेलू जीवन के लिए प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार की पूरी तरह से रक्षा की जानी चाहिए। स्थानीय पुलिस अधिकारियों को पूरी तरह से सूचित किया जाना चाहिए और प्रस्तावित बैठक के समय व स्थान की आवश्यक अनुमति समय रहते सही तरीके से ली जानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बैठक के स्थान पर यदि कोई प्रतिबंधात्मक या निषेधात्मक आदेश लागू हैं तो उन आदेशों का सम्मान किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, प्रस्तावित बैठकों के लिए लाउडस्पीकर या ऐसी किसी अन्य सुविधा के उपयोग के लिए अनुमति प्राप्त की जानी चाहिए।

देश का भविष्य मोदी के हाथों में सुरक्षित : सुमन

- मुख्यमंत्री की पत्नी ने बताई सरकार की उपलब्धियां, मनोहर लाल और नायब सिंह सैनी के लिए की वोट की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं करनाल विधानसभा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने कहा कि देश का भविष्य नरेंद्र मोदी के हाथों में सुरक्षित है। मोदी ने राष्ट्रहित में अनेकों फैसले लेकर देश को जो सम्मान दिलाया है वह इस बात का प्रमाण है कि मोदी के हाथों में देश ने किस प्रकार ऊंचाईयों को छुआ है। मुख्यमंत्री की पत्नी सुमन सैनी ने शनिवार को करनाल में आयोजित जनसभाओं में पहुंचकर सरकार की योजनाओं और भाजपा सरकार द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए कार्यो से अवगत करवाया। सुमन सैनी गांव काछवा में जीडी पब्लिक स्कूल में पास रितेश शर्मा, सेक्टर-4 में जोगिंद्र सिंह, सेकटर-7 में संजीव मित्तल, कर्ण विहार में नवीन वर्मा, आरके पुरम में मेहमा सिंह कांबोज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंची। सुमन सैनी का जगह-जगह फूलमालाओं से स्वागत किया गया। उन्होंने करनाल लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी मनोहर लाल विधानसभा प्रत्याशी नायब सिंह सैनी के लिए वोट की अपील की। जनसभाओं में उपस्थित लोगों ने विश्वास दिलाया कि वे मनोहर लाल और नायब सिंह सैनी को भारी बहुमत से जिताएंगे। इस अवसर पर निवर्तमान मेयर रेनूबाला गुप्ता, मेघा भंडारी, अमर ठक्कर, प्रदीप भाटिया, मंजू खैंची, रीमा वर्मा, बिट्टू, सुनील गुप्ता, भूपेंद्र नौतन, अनिल कांबोज व अंकुश आदि रहे।

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया

घरौंडा। ब्राह्मण सभा घरौंडा की ओर से भगवान परशुराम का जन्मोत्सव ब्राह्मण धर्मशाला घरौंडा में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने भगवान परशुराम के सिद्धांतों पर चलने का आह्वान किया। शुक्रवार को अक्षय तृतीया के दिन समाज के लोगों ने शाम के समय गौशाला में हरा चारा वितरित करने के बाद ब्राह्मण धर्मशाला घरौंडा में शाम के समय भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाते हुए केक काटा।

सभा के प्रधान ललित शर्मा, रिटायर्ड तहसीलदार अनिल कौशिक, दीपक शर्मा सतीश पंडित ने कहा कि भगवान परशुराम ने सदैव अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी।और उन्होंने लोगों को धर्म की रक्षा करते हुए न्याय का पाठ पढ़ाया।

इंद्री में 2 लाख 18 हजार 180 मतदाता करेंगे मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम अशोक कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में हर वोट का महत्व होता है, इसलिए प्रत्येक मतदाता का यह कर्तव्य बनता है कि वह एक दिन देश के नाम अवश्य दें। उन्होंने मतदाताओं का आह्वान करते हुए कहा कि 25 मई के दिन मतदान करके लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होने बताया कि इंद्री विधानसभा क्षेत्र में 214 बूथ बनाए गए हैं। इन सभी बूथों पर 2 लाख 18 हजार 180 मतदाता है, जिनमें 1 लाख 35 हजार 25 पुरुष मतदाता व 1 लाख 4 हजार 651 महिला मतदाता शामिल है। उन्होंने बताया कि लोकसभा आम चुनाव को सम्पन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी बूथों पर आवश्यक प्रबंध किए गए है।

उन्होंने बताया कि मतदाताओं को अपने मत का प्रयोग करने में किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए प्रशासन द्वारा मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी पोलिंग बूथों पर पीने का पानी, सुलभ शौचालय, बिजली की व्यवस्था तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए पोलिंग बूथों में रैंप तथा व्हील चेयर उपलब्ध कराने के प्रबंध किये गए है।

ई-रिक्शा यूनियन ने दिया भाजपा को समर्थन

- कहा : मनोहर लाल और नायब सिंह सैनी को प्रचंड मतों से दिलाएंगे जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल की निवर्तमान मेयर रेनूबाला गुप्ता ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है और उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 सालों तक दिन रात देश की सेवा की है और भविष्य में भी करते रहेंगे। शनिवार को एकता ई रिक्शा यूनियन करनाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभवित होकर भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन दिया। ई-रिक्शा चालकों ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रहित को देखते हुए यह निर्णय लिया है करनाल लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और करनाल विधानसभा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी नायब सिंह सैनी को भारी मतों से जीत दिलाएंगे। इस अवसर पर भाजपा कोषाध्यक्ष बृज गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला लोकसभा का चुनाव है, जब देश ही नहीं, पूरे विश्व ने यह मान लिया है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। जनता कह रही है, मोदी की गारंटी ने देश के विश्वास को जितने का काम किया है। इस अवसर पर ईश्वर प्रधान, महिला यूनियन प्रधान नीलम, काली, बबली, सुशील कोषाध्यक्ष, विकास, राजन, सन्नी, संजय, ऋषि, नीरज सहित अन्य मौजूद रहे।

खेलों से होता सर्वांगीण विकास : अंकित

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया लॉयर्स फौरम के प्रदेश महासचिव एडवोकेट अंकित गुप्ता ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए, खेल शरीर के साथ-साथ मानसिक व सर्वांगीण विकास करता है तनाव भी दूर करता है और खेल की वजह से पढ़ाई में भी तत्परता रहती है। आज अंकित गुप्ता ताइक्वांडो एंड फिटनेस हब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर अपने विचार रख रहे थे। गुप्ता ने कहा कि उन्होंने यह महसूस किया कि तायक्वोंडो केवल किक और घूंसा नहीं सिखाता, बल्कि झुक कर सम्मान करना भी सीखाता है। उन्होंने बच्चों के अनुशासन व सम्मान के लिए ताइक्वांडो कोच सुजीत कुमार के प्रयासों की सराहना की।

चुनाव में अहम भूमिका अदा करता है सोशल मीडिया : अरूण यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक अरूण यादव ने कहा कि सोशल मीडिया चुनाव में बड़ी भूमिका अदा कर रहा है। सोशल मीडिया ने 2014 और 2019 में हुए चुनाव में देश की तस्वीर बदलने का काम किया था और इस बार के लोकसभा चुनाव में भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने का काम करेगा। अरूण यादव करनाल लोकसभा के कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित सोशल मीडिया कार्यशाला का नेतृत्व करने के बाद कर्ण कमल कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समय-समय कार्यकर्ताओं के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है। भाजपा कार्यकर्ताओं के विकास में विश्वास रखती है, इसलिए उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है। कार्यशाला में चुनाव को लेकर ट्रेनिंग दी गई। कार्यकर्ताओं को बताया गया कि किस प्रकार पहली बार वोट दे रहे युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से कनेक्ट करना है। अरूण यादव ने कहा कि देखने में आया है कि फेक न्यूज के जरिए भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। सोशल मीडिया टीम इतनी सशक्त है कि फेक न्यूज की डिटेल आधे घंटे में निकाल कर काउंटर कर देती है।

राजस्थान के सीएम भजनलाल कल असंध में करेंगे जनसभा को संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

- कल 3.30 बजे होने वाली विजय संकल्प रैली में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता लेंगे भाग

असंध की जनता में गहरी पैठ के लिए पहचाने जाने वाले पूर्व सीपीएस व विधायक जिलेराम शर्मा असंध की नई अनाजमंडी में बतौर आयोजक 13 मई को विजय संकल्प रैली करने जा रहे हैं। असंध की नई अनाजमंडी में 13 मई दिन सोमवार शाम 3.30 बजे होने जा रही विजय संकल्प रैली में राजस्थान के मुख्यमंत्री पंडित भजनलाल शर्मा मुख्यअतिथि होंगे। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व करनाल लोकसभा प्रत्याशी मनोहरलाल खट्टर के पक्ष में मतदान की अपील करने आ रहे राजस्थान के मुख्यमंत्री पंडित भजनलाल शर्मा के आगमन को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई हैं। पंडित जिलेराम शर्मा को शुक्रवार दोपहर बाद ही विजय संकल्प रैली में राजस्थान के मुख्यमंत्री पंडित भजनलाल शर्मा की जानकारी मिली और उसके बाद एक दिन के समय में उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं व जनता को कमर कसने के निर्देश दिए हैं। विजय संकल्प रैली के आयोजक असंध के पूर्व विधायक व हरियाणा सरकार में पूर्व सीपीएस रहे पंडित जिलेराम शर्मा ने बताया कि असंध की नई अनाजमंडी में 13 मई दिन सोमवार समय 3.30 बजे शाम होने वाली विजय संकल्प रैली में हजारों की संख्या में जनता करनाल के लोकसभा प्रत्याशी मनोहरलाल को अपना समर्थन देने आएगी क्योंकि जनता ये समझ चुकी है कि राष्ट्र की सुरक्षा व हित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में ही सुरक्षित है, असंध में पंडित जिलेराम शर्मा का जनता पर गहरा प्रभाव है।

श्री राधा कृष्ण शाखा ने भेंट किया कूलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भारत विकास परिषद की श्री राधा कृष्ण शाखा के उपाध्यक्ष प्रमोद नागपाल ने गांव काछवा के किसानों से राशि एकत्रित कर अपना आशियाना में एक कूलर भेंट किया। शाखा के सदस्यों ने यह सेवा कार्य किसानों के सहयोग से किया है। शाखा के अध्यक्ष उमेश तनेजा ने कहा कि भाविप श्री राधा कृष्ण शाखा समाजसेवा के कार्यो के लिए सदैव तत्पर रहती है। इससे पहली भी शाखा अपना आशियाना में सेवा के कार्य कर चुकी है और भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्य जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि शाखा की ओर से स्कूल में स्टेशनरी का वितरण किया जाएगा। कुष्ठ आश्रम में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा वाटर कूलर भी दिए लगवाए जाएंगे। अपना आशियाना के सेवकों द्वारा परिषद परिवार के पदाधिकारी अध्यक्ष उमेश तनेजा, सचिव देवेंद्र रोहिला, उपाध्यक्ष प्रमोद नागपाल, वित सचिव राकेश अरोड़ा जी को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष उमेश तनेजा ने अपना आशियाना के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सोनिया व उसकी माता की सेल्फी ने पाया पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

इंद्री। सेल्फी विद मदर मुहिम कार्यक्रम मे उपस्थित प्रतिभागी व आयोजक ।

नागरिक अस्पताल इंद्री में हरियाली युवा संगठन द्वारा सेल्फी विद मदर मुहिम के तहत राज्य स्तरीय मेरी पहचान आपसे बेस्ट सेल्फी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसएमओ डॉ किरण गिरधर व ब्लॉक समिति चेयरमैन उषा कटारिया, समाज सेवी बलिंद्र कटारिया, सरपंच श्याम सिंह व शशि कांबोज ने शिरकत की। कार्यक्रम मे प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाली युवा संगठन पदाधिकारी केहर सिंह व प्रवीन ने की । इस मौके पर नारायणगढ़ से सोनिया व उसकी माता के साथ ली गई सेल्फी ने पहला स्थान पाया। बुटानखेड़ी से विजय कुमार व उसकी माता सोमी देवी संग ली सेल्फी को दूसरा, मनक माजरा से रोशनी देवी एवं माता संतोष संग सेल्फी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। हरियाली युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सूरजभान बुटानखेड़ी ने बताया कि सेल्फी विद मुहिम का उद्देश्य मां के प्रति बच्चों में प्रेम भावना को जींवत रखना है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए 63 प्रविशिष्टयां आई थी। प्रतियोगिता के लिए रखी शर्तों एवं नियमानुसार विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है।

दिव्यांग मतदाता सक्षम एप पर करें आवेदन

कुरुक्षेत्र। चुनाव तहसीलदार सरला ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सभी दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए समक्ष ऐप लॉन्च किया है, जो इन्हें मतदान केंद्र पर आवागमन के साथ साथ व्हीलचेयर की भी सुविधा प्रदान करेगा। इसके लिए दिव्यांगों को अपने मोबाइल में सक्षम एप डाउनलोड करनी होगी। इस ऐप का प्रयोग करके दिव्यांग सहज एवं सुविधाजनक रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। चुनाव तहसीलदार सरला ने कहा कि सक्षम ऐप के इंटरफेस को उपयोगकर्ता के लिए अधिक अनुकूल बनाया गया है। सक्षम ईसीआई ऐप के माध्यम से दिव्यांग वोटर मतदाता सूची में अपना नाम चेक करने के अलावा पोलिंग बूथ की लोकेशन, बूथ तक आवागमन के लिए व्हीलचेयर के लिए अनुरोध कर सकता है, वोटर कार्ड में सुधार, वोटर कार्ड को आधार से जुड़वाने या चुनावी प्रक्रिया से संबंधित अन्य प्रकार की सेवाओं के लिए अनुरोध कर सकता है।

भक्तों का उद्धार कर रहे खाटू श्याम : प्रमोद

- श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति द्वारा बस यात्रा हुई रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति द्वारा हर महीने बस यात्रा शुरू कर श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्रा करवाई जा रही है। शनिवार को इस बार बस यात्रा अग्रोहा धाम, सालासर बालाजी, लक्ष्मी माता मंदिर, श्री खाटू श्याम धाम के लिए रवाना हुई है। करनाल के मुगल कनाल स्थित खेड़ा चौक से श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति के प्रधान प्रमोद मंगला, उपप्रधान विकास गर्ग व समिति के सदस्यों द्वारा विधि-विधान से नारियल फोडक़र यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समिति के प्रमोद मंगला ने बस को झंडी देकर रवाना किया। इस मौके पर श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति के प्रधान प्रमोद मंगला ने कहा कि श्याम बाबा हारे का सहारा है। श्री श्याम बाबा कलयुग में भक्तों का उद्धार कर रहे है। जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से खाटू धाम के दर्शन करने के लिए जाता है। श्री बाबा श्याम उनकी हर मुरादें पूरी करते है। बस यात्रा दो दिन के लिए जा रही है। इस दौरान श्रद्धालुओं के रहने व खाने पीने की पूरी व्यवस्था का ध्यान रखा जाता है। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में यात्रा में भाग लिया। श्री श्याम बाबा के जयघोष के साथ बस यात्रा शुरू हुई।

एसएमएस पब्लिक स्कूल में धूमधाम के साथ मनाया गया मातृत्व दिवस

मां के प्यार से ज्यादा जीवन में कुछ नहीं अनमोल : राजकुमार

- कार्यक्रम का शुभारंभ मातृशक्ति के समक्ष नमन कर किया
- कार्ड मेकिंग, क्ले मॉडलिंग एक्टिविटी आदि अनेक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी। एस एम एस स्कूल के बच्चे कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

एस.एम.एस. पब्लिक स्कूल में मातृत्व दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मातृशक्ति के समक्ष नमन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिसमें बच्चों ने अपने-अपने तरीके से मां को सलाम किया। नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं ने मनमोहक नृत्य द्वारा सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ विभा कौशिक ने मातृ दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैसे तो 8 मई को मदर्स डे मनाया जाता है लेकिन हर मां के लिए हर दिन ही मदर्स डे की तरह होता है,बालक की पहली गुरु उसकी मां होती है। एक माँ हमेशा बच्चे की देखभाल करती है चाहे बच्चे की उम्र या कोई अन्य स्थिति कुछ भी हो। माताओं के आशीर्वाद से ही बच्चे जीवन में सफल हो सकते हैं और जो शिक्षिकाएं है वह भी बच्चों की दूसरी मां है। मातृ दिवस का महत्व माताओं द्वारा अपने बच्चों के जीवन पर पड़ने वाले गहरे प्रभाव को स्वीकार करने, मूल्यों को प्रदान करने, सहायता प्रदान करने और विकास को बढ़ावा देने की क्षमता में निहित है। विद्यालय में अनेक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया जिसमें कार्ड मेकिंग, क्ले मॉडलिंग एक्टिविटी, गुलदस्ता सजाओ, पेपर फोल्डिंग आदि प्रमुख रही। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कई शिक्षिकाओं ने भी अपने बचपन के किस्से सभी के साथ साझा किए। स्कूली बच्चों ने श्रृंखला बनाकर मां की अद्भुत आकृति बनाई। । वहीं कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने मदर्स डे पर ग्रीटिंग कार्ड बनाए ।विद्यालय के प्रबंधक सरदार गुरशरण सिंह ग्रेवाल ने मातृ दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मातृ दिवस माता को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है. एक मां का आँचल अपनी संतान के लिए कभी छोटा नहीं पड़ता। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि माँ अपने बच्चे की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है। मातृ दिवस माताओं के हर कार्य के प्रति कृतज्ञता और प्रशंसा व्यक्त करने का एक अवसर है। कार्यक्रम का समापन सभी छात्र-छात्राओं द्वारा मां को सलाम कर किया गया। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

वेतन देकर करवा रहा था तस्करी, गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए थ्री पुलिस टीम ने 1 किलो 200 ग्राम गांजा तस्करी मामलें में आरोपी सप्लायर को शुक्रवार देर शाम गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान दिलशाद उर्फ गंजा निवासी गांव बापौली जिला पानीपत के रूप में हुई। सीआईए थ्री प्रभारी इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि उनकी टीम ने बीती 10 अप्रैल को सनौली अड्डे पर रोशन उर्फ मोटा निवासी सरनाचर छपार बिहार हाल कृष्णा गार्डन कॉलोनी को 1 किलो 200 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपी ने उक्त गांजा गांव बापौली निवासी दिलशाद उर्फ गंजा से लेकर आने बारे स्वीकारा था। आरोपी ने पूछताछ में बताया था कि दिलशाद उसे गांजा सप्लाई करने के 12 हजार रुपये प्रति महीना सैलरी देता है। आरोपियों पर थाना सनौली में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज है। वही, आरोपी दिलशाद को पुलिस ने कोर्ट से पांच दिन के रिमांड पर लिया है।

गोली मारने वाला नाबालिग पकड़ा

पानीपत। पानीपत के गांव सींक निवासी वंशराज को घर से बुलाकर नहर पुल पर ले जाकर पिस्तौल से गोली मारकर जानलेवा हमला करने मामले में फरार चल रहे चौथे आरोपी को सीआईए टू पुलिस टीम ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान नाबालिग के रूप में हुई। सीआईए टू प्रभारी सब इंस्पेक्टर सौरभ ने बताया कि पुलिस ने नाबालिग आरोपी को पूछताछ के बाद शुक्रवार को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया जहा उसे बाल सुधार गृह मधुबन भेजा गया।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस टीम बबैल रोड पर स्पेयर पार्ट की दुकान में चोरी करने वाले दो आरोपियों को वीरवार को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाई। आरोपियों की पहचान सतबीर निवासी बला करनाल हाल उग्राखेड़ी व रिंकू निवासी कश्यप कॉलोनी के रूप में हुई। आरोपी चोरी के अन्य मामले में पानीपत जेल में बंद थे। थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश शर्मा ने बताया कि चोरी की उक्त वारदात बारे थाना चांदनी बाग में रोहताश निवासी विवर्स कॉलोनी की शिकायत पर अभियोग दर्ज है।

विश्व मातृत्व दिवस मनाया

पानीपत। यूथ वीरांगनाएं संस्था ने बच्चों के संग बरसत रोड स्थित स्कूल में मातृत्व दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने कई तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसका मुख्य विषय मां रखा गया। इस अवसर पर ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता ,नृत्य प्रतियोगिता व रंगोली प्रतियोगिता की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि दुष्यंत भट्ट जिलाध्यक्ष बीजेपी, एमआरएस विद्या मंदिर की चयरपर्सन प्रवीण सेठी, प्रधानाचार्य समीक्षा सेठी, यूथ वीरांगनाएं संस्था की जिला उपाध्यक्ष ज्योति सैनी व संस्था के सदस्य कोमल अरोड़ा, गीता छाया, प्रिया गाबा, बरेजा, अंजलि, बरखा व लव्या मौजूद रहे।

मारपीट करने वाले दो पकड़े

इसराना। पानीपत के गांव मांडी में रिंकू के साथ मारपीट के आरोप में नुकुल व इसके साथी को थाना इसराना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वही इस मामले में थाना इसराना में सोनू वासी गांव मांडी की शिकायत पर केस दर्ज है। थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि घायल रिंकू के भाई सोनू की शिकायत पर मामला दर्ज किया है।

चुनाव को लेकर सतर्क रहे पुलिस : धर्मबीर

ड्यूटी के प्रति लापरवाही पाए जाने वाले अफसर व कर्मी पर सख्त कार्यवाही होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन से आई विशेष टीम द्वारा शुक्रवार को उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री धर्मबीर खर्ब की अध्यक्षता में आर्य कॉलेज के सभागार में जिला पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों को बूथ डयूटी के बारे में जानकारी दी। इस दौरान टीम इंचार्ज इंस्पेक्टर कवरपाल ने बूथ ड्यूटी, सुरक्षा, कर्तव्य व जिम्मेदारी इत्यादी के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस कर्मियों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के दण्डात्मक प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय धर्मबीर खर्ब ने बताया कि लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निर्भीक माहौल में संपन्न करवाने के लिए पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में जिला पुलिस द्वारा सारी

पानीपत। आर्य कॉलेज में पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को संबोधित करते हुए डीएसपी धर्मबीर खर्ब। फोटो :हरिभूमि

तैयारी पूरी कर ली गई है। जिला पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स द्वारा संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है और लोगों को निर्भीक होकर मतदान करने का संदेश दिया जा रहा है। चुनाव को शांतिपूर्ण व निर्भीक माहौल में संपन्न करवाना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने इस दौरान पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में आम जनता से तालमेल करके शांति सुरक्षा स्थापित करना सुनिश्चित करें। चुनाव के दौरान जहा भी ड्यूटी लगी है उसे पूरी इमानदारी व सतर्कता से निभाए। चुनाव ड्यूटी के दौरान बरती गई लापरवाही को किसी भी सूरत में सहन नही किया जाएगा। डीएसपी खर्ब ने कहा कि चुनाव से पहले व चुनाव के दिन क्षेत्र में प्रभावी रूप से गशत करें। इंटरस्टेट, अंतर जिला व अन्य तमाम स्थानों पर लगाए नाकों से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन की गहनता से चेकिंग करें। आदतन अपराधियों की दैनिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखे। चुनाव को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों, शराब तस्करों और अवैध हथियारों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए। आदर्श आचार सहिता की पालना प्रभावी रूप से सुनिश्चित करवाए। सभी थाना प्रभारी, क्राइम युनिट इंचार्ज, चौकी इंचार्ज व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बेटियों को शिक्षित कर विकास के अवसर दें परिजन : रतन

शिक्षा के क्षेत्र में अपने गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया

- पानीपत जिला में प्रथम आई साक्षी रावल को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं कक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव खोजकीपुर की छात्रा साक्षी रावल को यमुना सुधार समिति के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट रतन सिंह रावल ने सम्मानित किया और कहा कि हमारी 27 की बेटी साक्षी रावल पर हमें गर्व है कि हमारे क्षेत्र की लड़की साक्षी रावल ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हम ऐसे बच्चों को हमेशा प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं। रतन सिंह रावल ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में या खेलों के क्षेत्र में

पानीपत। मेधावी छात्रा साक्षी रावल को सम्मानित करते हुए यमुना सुधार समिति के प्रदेशाध्यक्ष रतन सिंह रावल व अन्य । फोटो :हरिभूमि

मेहनत करते हैं वह जीवन में कामयाब हो जाते हैं। एडवोकेट एसपी अरोड़ा ने कहा कि अब ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे पढ़ाई में विशेष रुचि लेने लगे हैं। इसीलिए इस प्रकार के परिणाम आ रहे हैं। जो बच्चे पढ़ाई के माध्यम से आगे बढ़ते हुए देश की तरक्की में हिस्सा बनते हैं और अपने माता-पिता के लिए और अपने दूसरे साथियों के लिए एक मिसाल कायम करते हैं । इस अवसर पर सरपंच बलबीर, रामफल, नरसिंह रावल, श्रीनिवास रावल व सतपाल आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण के अनुकूल है इलेक्ट्रिक वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

दुनिया की सबसे मूल्यवान दोपहिया एवं तिपहिया कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड और भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस में शुमार फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट के लास्ट माइल डिलीवरी ऑपरेशंस में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के प्रयोग को गति देने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह सहयोग भारतीय ई-कॉमर्स परिदृश्य के हरित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है। समझौता ज्ञापन यानि एमओयू पर दस मई को बजाज ऑटो और फ्लिपकार्ट के प्रवक्ताओं समरदीप सुबंध, प्रेसिडेंट इंट्रासिटी बिजनेस यूनिट, बजाज ऑटो लिमिटेड), प्रभु बालाश्रीनिवासन, वाइस प्रेसिडेंट, कॉमर्शियल, फ्लिपकार्ट ग्रुप और हेमंत बद्री, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, व हेड, सप्लाई चेन, कस्टमर एक्सपीरियंस एंड रीकॉमर्स, फ्लिपकार्ट ग्रुप) द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इसने बजाज ऑटो और फ्लिपकार्ट के बीच दीर्घकालिक व्यापार साझेदारी की नींव रखी है। इसके तहत फ्लिपकार्ट को तकनीकी रूप से उन्नत कम से कम 1000 इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर कार्गो वाहनों की आपूर्ति की जाएगी। यह समझौता भविष्य में व्यापक सहयोग एवं बेड़े में विस्तार का मार्ग प्रशस्त करता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 18833 मुकदमों का निपटारा किया

- पानीपम में 15365 व समालखा सब डिवीजन में 3468 मुकदमों का निपटान हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुदेश कुमार शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सेशन डिवीजन, पानीपत में शनिवार को अधिनिर्णय की पूरी प्रक्रिया न्यायाधीशों, वकीलों, वादियों, बीमा कंपनियों और बैंक प्रतिनिधियों के बीच न्यायालय में निजी रूप से आकर नेशनल लोक

पानीपत। पानीपत में राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों की सुनवाई करते हुए न्यायधीश।

अदालत का आयोजन किया गया। लंबित मामलों के साथ-साथ पूर्व मुकदमेबाजी के मामलों से निपटने के लिए लोक उपयोगिता सेवाओं की खंडपीठ का भी गठन किया गया जिसमें दुर्घटना के दावे, चेक बाउंस, बैंक वसूली, नागरिक विवादों से संबंधित सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं, उपभोक्ता कमीशन के केस भी शामिल हैं और यहां तक कि घरेलू हिंसा अधिनियम आदि से संबंधित कंपाउंडेबल अपराधों के आपराधिक मामले भी शामिल है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण मीनू ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत विवादों के निपटान के प्रभावी तरीकों में से एक है। लोक अदालतों में विवादों का सौहार्दपूर्वक निपटारा किया जाता है। सभी के लिए न्याय तक पहुंचरु के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए एडीआर तंत्र का संवर्धन काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पानीपत में कुल 24 हजार 39 मुकदमों को लिया गया था। जिनमें से 15 हजार 365 मुकदमों को केवल पानीपत में लोक अदालत में पारंपरिक रूप से निपटाया गया। लोक अदालत में निपटान की राशि 7 करोड़ 31 लाख 44 हजार 346 रुपए थी। इसके अलावा समालखा सब डिवीजन में 3 हजार 468 मुकदमों का निपटान किया गया। कुल मिलाकर पानीपत जिले में 18 हजार 833 मुकदमों का निपटारा किया गया।

लोकतंत्र प्रणाली में जनता सर्वोपरि : डॉ. दहिया

- एक-एक वोट का होता है बड़ा महत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर वीरेंद्र दहिया ने कहा कि लोकतंत्र प्रणाली में जनता सर्वोपरि होती है। एक-एक वोट का बड़ा महत्व होता है। सभी मतदाताओं को आगामी 25 मई को लोकतंत्र के इस उत्सव में अपनी

मतदान को जागरूकत करता हुआ बैनर।

भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। मतदान करना उनका अधिकार है। चुनाव में मतदान करने का मौका पांच साल के बाद मिलता है। यह अवसर हमें गंवाना नहीं चाहिए बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करके अपने आप को गौरवान्वित महसूस करें। उन्होंने कहा कि हमारे देश में युवाओं की संख्या अधिक है, इसलिए भारत को युवा देश कहते हैं। यह बात युवाओं को समझनी होगा कि लोकतंत्र में भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत बनता है। उन्होंने युवाओं काआह्वान करते हुए कहा कि अगर वे अपनी आवाज को बुलंद रखना चाहते हैं तो लोकतंत्र के पर्व में वोट डालकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से मनाई

- श्रद्धालुओं ने यज्ञ कर भंडारों का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

भगवान परशुराम जन्मोत्सव व अक्षय तृतीया पर श्री नवयुवक ब्राह्मण सभा द्वारा परशुराम कॉलोनी स्थित परशुराम मंदिर में हवन यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें परशुराम कॉलोनी वासियों ने शामिल होकर हवन यज्ञ में आहुति देकर सर्व समाज कीमंगल कामना की। हवन यज्ञ में ब्राह्मण समाज के सम्मानित लोगों को भगवान

पानीपत। श्री नवयुवक ब्राह्मण सभा के सदस्य यज्ञ करते हुए। फोटो :हरिभूमि

परशुराम का पटका श्री नवयुवक ब्राह्मण सभा के मुख्य संरक्षक जेपी शर्मा ने पहनाकर स्वागत किया। श्री जे.पी. शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम 36 बिरादरी के आराध्य हैं और भगवान परशुराम ने हमेशा सर्व समाज को आपस में एकजुट होकर चलना सिखाया है। इस अवसर पर वेद प्रकाश गोसाई, प्रधान सुशील शर्मा, कैशियर नारायण दत्त शर्मा, बनारसी दास शर्मा, वेद प्रकाश शास्त्री, युद्धिष्ठर शर्मा, संजय शर्मा, मोहित शर्मा, शीतल शर्मा, मोना शर्मा, बलदेव अरोड़ा, अमित उपमन्यु, अभिषेक, शुभम शर्मा व जगमोहन शर्मा उपस्थित रहे। दूसरी ओर, भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर आज वार्ड नंबर 3 की परशुराम कॉलोनी स्थित भगवान श्री परशुराम मंदिर में हवन यज्ञ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया परशुराम मंदिर के पुजारी अरुण पांडे ने हवन करा कर सर्व समाज की मंगल कामना की।

भगवान का स्वरूप है चिकित्सक : खर्ब

- चिकित्सा, जन सेवा का सर्वोत्तम स्रोत : भूषण गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इसराना

इसराना के एनसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के एमबीबीएस के विधार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डीएसपी धर्मबीर खर्ब रहे। मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के चेयरमैन भूषण गुप्ता ने कहा कि डाक्टरी का कार्य जन सेवा का अच्छा स्रोत है। आप ने बहुत ही मेहनत करके यह मुकाम हासिल किया है। कभी भी आप

पानीपत। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए अतिथिगण।

इसको धन कमाने का माध्यम नहीं बनाना। उन्होंने बताया कि मेरे पिता स्व.स्वतन्त्रता सेनानी नेमीचंद गुप्ता ने यही सपना देखा था और इसी पर हम काम कर रहे हैं। वहीं मुख्य अतिथि डीएसपी धर्मबीर खर्ब ने कहा कि डाक्टर को भगवान का दूसरा रुप कहा जाता है, जो मरीज को सही समय पर इलाज मिल जाये तो उसकी जान बच जाती है। इसलिए कहा जाता है कि डाक्टर भगवान होता है। इस अवसर पर कालेज आयोजन कमेटी ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को और डीएसपी धर्मबीर खर्ब, इसराना थाना एसएचओ नीरज कुमार, विजय गुप्ता, डा.एनएन महेंद्रआदि मौजूद रहे।

सभी ने गुर्जर समाज की अनदेखी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के गुर्जर भवन में शनिवार को पानीपत व करनाल जिले के गुर्जर समाज के गणमान्य लोगों की बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता गुर्जर सभा के प्रधान कर्णसिंह पसीना ने की। इस दौरान मौजूदा लोकसभा चुनाव को लेकर समाज के लोगों ने चर्चा की और विचार-विमर्श कर रणनीति तैयार करते हुए कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियों ने गुर्जर समाज की अनदेखी की है। देश में गुर्जर समाज का इतनी बडी जनसंख्या होने के बावजूद भी किसी भी राजनीतिक दल ने गुर्जर समाज के व्यक्ति को कैबिनेट मंत्री,

पानीपत। बैठक करते हुए गुर्जर समाज के गणमान्य नागरिक। फोटो :हरिभूमि

राज्यपाल व किसी भी प्रदेश का मुख्यमंत्री भारत देश के अंदर गुर्जर समाज का कोई भी व्यक्ति नही बनाया गया है। ये गुर्जर समाज का दुभाग्य है, अब लोकसभा चुनाव पूरें देश में चल रहा है,अब गुर्जर समाज के हर व्यक्ति को सोच समझ कर निर्णय लेना होगा। बैठक में रतन सिंह रावल, राजकुमार छौक्कर, पूर्व चेयरमैन सुरेन्द्र जलमाना, जयपाल , चुहड सिंह रावल, सतीश रावल, सुभाष रावल, मा.ब्रहमपाल रावल, मोनू रावल, इलम सिंह समेत बडी संख्या में पानीपत व करनाल के गुर्जर समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम हुडा सेक्टर 17 स्थित कम्यूनिटी सैंटर में मनाया जाएगा सेवा सद्भावना दिवस

युवाओं को मानवता की सेवा के लिए अधिक संख्या में रक्तदान करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता सेवा समिति द्वारा सेवा सद्भावना दिवस स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में रविवार को हुडा सेक्टर 17 स्थित कम्यूनिटी सैंटर में मनाया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक सुरेश अरोड़ा व चन्द्रशेखर शर्मा ने बताया कि 12 मई को प्रातः साढे 8 बजे हवन यज्ञ एवं साढे 9 बजे रक्तदान शिविर व

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता सेवा समिति के पदाधिकारीगण प्रेस वार्ता करते हुए।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। जिसमें विशेष सहयोग जिला रेड क्रास सोसाइटी व आदर्श एक विश्वास वेलफेयर सोसाइटी का रहेगा। जबकि सहयोगी संस्थाएं श्री राम दशहरा कमेटी बरसत रोड, आरडब्लूए सेक्टर 17, आरडब्लूए सेक्टर 13, श्रीराम सेवा दल,नूरवाला, पानीपत सेवा मंडल नूरवाला, आरडब्लूए अंसल सुशांत सिटी, एआरडब्लूए अंसल सिटी व शनि मंदिर सेक्टर 17 रहेंगी। वही कैंप में युवाओं को मानवता की सेवा के लिए अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करना चाहिए।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में गारिमामयी उपस्थिति सांसद संजय भाटिया, राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार, सहकारिता मंत्री महीपाल ढांडा, विधायक प्रमोद विज, पूर्व मेयर अवनीत कौर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विरेंद्र बुल्ले शाह, पूर्व विधायक रोहिता रेवड़ी, पूर्व पार्षद लोकेश नांगरू, रविन्द्र भाटिया, अनीता परूथी की रहेगी। जबकि विशेष उपस्थिति पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी विजय जैन, समाजसेवी मुकेश टूटेजा, राम दशहरा कमेटी बरसत रोड के प्रधान भीम सचदेवा, समाजसेवा अमित कुमार वर्मा व आईबीएम अस्पाल के संचालक डा.गौरव श्रीवास्तव की रहेगी। वहीं चिकित्सा शिविर में डा.संजय सेन, डा.विक्रांत रंगा, डा.पीयुष वधावन, डा.प्रशांत शर्मा, डा.अर्जुन श्रीधर, डा.मनीषा, डा. केदार बतरा, डा.श्रेया मिड्ढा, डा. जोत सिंह राजा व आदर्श एक विश्वास के अध्यक्ष नवीन मुंजाल अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में नेत्र, दंत, सामान्य चिकित्सा विशेषज्ञ एवं होम्योपेथिक चिकित्सक मौजूद रहेंगे। पत्रकार वार्ता में सुनील ग्रोवर, कंवर रविंद्र सैनी, भीम सचदेवा, सूरज दूरेजा, हरीश अरोड़ा, हरबंस आन्नद, रमेश सतीजा, विशाल गोस्वामी, पंकज शर्मा, यतिन्द्र सैनी,पंकज वर्मा व ओम प्रकाश सचदेवा ने कहा कि युवा वर्ग साल में तीन बार रक्तदान कर सकता है।

मां के बिना जीवन की कल्पना असंभव: मेघा

कुरुक्षेत्र। बजीदपुर स्थित सर्वज्ञ पब्लिक स्कूल में मदर्स डे धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। छोटे छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपनी-अपनी माताओं के लिए कविता गायन किया।

सूचना

मैं, नत्थो देवी पत्नी स्व. श्री रामदास निवासी ग्रोवर चौक, बत्रा कॉलोनी, पानीपत, तहसील व जिला पानीपत बयान करती हूं कि मेरा पुत्र ओमबीर तथा मेरी पुत्रवधु रजि मेरे कहने–सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन–देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

हत्या के प्रयास में छठा आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना मुलाना में दर्ज मारपीट कर हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने आरोपी गुरप्रीत उर्फ पितु को गिरफ्तार किया है। इस मामले में संलिप्त पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। ब्राह्मण माजरा गांव के पुरुषोत्तम ने 30 अप्रैल 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी रणबीर सिंह, अमनी व अन्य ने उसका रास्ता रोककर मारपीट करते हुए चोट पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

धमकी देने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी शुभम को गिरफ्तार किया है।ईस्माइलाबाद के कोशिश ने 1 मार्च 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी लवप्रीत सिंह व अन्य ने उससे मारपीट कर चोट पहुँचाते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

धमकी देने के मामले मे आरोपी काबू

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी संजय कुमार को गिरफ्तार किया है। बीच की डिग्गी एरिया के रहने वाले राम किशन ने 27 अप्रैल 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी संजय कुमार व अन्य ने आर्य स्कूल अम्बाला छावनी के पास उससे मारपीट करते हुए घायल कर जान से मारने की धमकी देने का अपराधिक कार्य किया है। तब पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

महिला के गले से सोने की चैन तोड़ी, मामला दर्ज

जींद। नए बस अड्डे पर बस में चढ़ रही महिला यात्री के गले से भीड़ का फायदा उठा कर दो महिलाओं ने सोने की चैन को तोड़ लिया और फरार हो गई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामा कालोनी सफीदों निवासी बिमला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह जींद नए बस अड्डे से बहादुरगढ़ के लिए बस में सवार हो रही थी। यात्रियों की भीड़ भी अच्छी थी। बस की खिड़की में दो महिलाएं खड़ी हुई थी। जब वह बस से चढ़ रही थी तो उसी दौरान उसके गले से सोने की चैन दो महिलाओं ने तोड़ ली।

एमएसीटी केसों में पीड़ितों को मिला 1.21 करोड़ का मुआवजा

लोक अदालत में 12619 मामलों का हुआ निपटान

लोक अदालत में जिले व सब डिवीजन नारायणगढ की 7 अदालतों में स्पेशल बेंच बनाकर लोक अदालत का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। लोक अदालत के बाहर का दृश्य।

जिला न्यायलय, सब डिवीजन व नारायणगढ़ में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण परवीन ने बताया कि लोक अदालत के मद्देनजर उपयुक्त इंतजाम किए गए थे। सभी लोगों ने न्यायालय के सामने रखे। इस लोक अदालत में कुल सात बेंच लगाए गए थे जिसमें सभी प्रकार के केस जिसमें खास कर के चेक संबंधित केस, परिवारिक , अपराधिक, वाहन मोटर अधिनियम, चालान, फौजदारी, व दीवानी केस सुनवाई के लिए रखे गए। लोक अदालत में जिले व सब डिवीजन नारायणगढ की 7 अदालतों में स्पेशल बेंच बनाकर लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें कुल 24184 मुकदमें रखे गए। 12619 मुकदमों का निपटारा हुआ। मोटर यातायात दुर्घटना के मुकदमों में रूपए 1,21,90,000/- की धनराशि का निपटारा हुआ। सीजेएम परवीन ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी के 808 केस रखे गए जिनमें से 658 केसों का निपटारा हुआ। अपराधिक किस्म के 724 केस रखे गए जिनमें से 341 केसों का निपटारा हुआ। इलेक्ट्रिसिटी के 401 केस में 241 केसों का निपटारा हुआ, लेबर के आठ में से 5 केसों का निपटारा हुआ, मोटर वाहन दुर्घटना के 78 में से 23 केसों का निपटारा हुआ। वैवाहिक किस्म के 356 केसों में से 146 केसों का निपटान किया गया। चेक बाउंस के 1802 केस रखे गए जिनमें से 582 केसों का निपटारा हुआ। इसी तरह दीवानी किस्म के 3157 केस रखे गए जिनमें से 444 केसों का निपटारा हुआ, रेवेन्यू किस्म के 3284 केस में से 3149 केसों का निपटारा हुआ। अन्य किस्म के 13566 में 7030 केसों का निपटान किया गया।

ट्रैफिक रूल्स की दी जानकारी

इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सौजन्य से राष्ट्रीय लोक अदालत में एक एग्जिबिशन का आयोजन किया गया। इसमें लोगों को विभिन्न ट्रैफिक रूल्स के बारे में जानकारी दी। परवीन ने लोगों से अपील की, कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें वा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। लोक अदालत के मद्देनजर लोगों को एक जल्दी न्याय की उम्मीद थी जो की लोगों को इस लोक अदालत के माध्यम से दिया गया। इस लोक अदालत में लोग काफी खुश नजर आए। सीजेएम ने यह भी बताया सेशन जज कंचन माही के मार्गदर्शन में माह में 2 बार जेल लोक अदालत का आयोजन पहले एवं तीसरे बुधवार को किया जाता है। इसके अलावा बिजली, पानी इत्यादि संबंधित प्री लिटिगेशन स्टेज पर मुकदमें स्थायी लोक अदालत में लगाकार निपटाए जा सकते हैं।

मोहड़ा में भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया का कड़ा विरोध

- पुलिस ने मुश्किल से निकाला बंतो का काफिला, बिना प्रचार किए ही लौटना पड़ा वापिस

अंबाला। ग्रामीण एरिया में भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ताजी घटना गांव मोहड़ा की है। यहां कटारिया का किसानों ने जमकर विरोध किया। बंतो मोहड़ा गांव में प्रचार के लिए पहुंची थीं। यहां किसानों ने गांव में घुसने से पहले ही विरोध करना शुरू कर दिया। किसानों ने नारेबाजी करते हुए काले झंडे भी दिखाए।विरोध बढ़ता देख पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। पुलिस ने बंतो कटारिया के काफिले को सुरक्षित वापस निकाला। बंतो के साथ पूर्व विधायक राजबीर बराड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा समेत अन्य भाजपा वर्कर भी उपस्थित थे। बता दें कि 2 हफ्ते पहले अंबाला सिटी में भी बंतो कटारिया को विरोध का सामना करना पड़ा था। किसानों ने जब उनसे सवाल किए थे तो बंतो हाथ जोड़ खड़ी हो गई थीं। भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह के जिला अध्यक्ष गुरमीत सिंह माजरी समेत अन्य किसानों ने बंतो से पूछा कि अंबाला में आपदा आई थी तो उस वक्त कहां थे? किसान दिल्ली जा रहे थे तो हरियाणा सरकार ने क्यों जुल्म किया? हालांकि, पुलिस ने उस समय भी बीच-बचाव किया था।

कांग्रेस प्रत्याशी को जीत का आशीर्वाद दिए जाने पर विज ने दी सफाई

- प्रचार के दौरान वरूण मुलाना समेत कई कांग्रेसी नेताओं ने पूर्व मंत्री विज के छुए थे पांव

अंबाला। अंबाला छावनी में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी वरुण मुलाना व चित्रा सरवारा से पूर्व गृहमंत्री अनिल विज से हुई मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि अब पूर्व मंत्री अनिल विज ने पूरे मामले पर सफाई दी है। अनिल विज ने कहा कि बुधवार को वह भाजपा वर्कर्स के साथ भाजपा ऑफिस के बाहर बैठे थे। तभी 3 गाड़िया रुकी, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी वरुण, चित्रा सरवारा समेत अन्य कांग्रेसी नेता भी थे। अनिल विज ने कहा कि सभी कांग्रेसी नेता उनके पास आकर बैठ गए, शिष्टाचार के नाते उन्होंने उन सभी को जलपान कराया। उन्होंने कहा कि अगर इस पर भी कोई एतराज उठाता है तो उन्हें राजनीति में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि शिष्टाचार तो सबके साथ है। ऐसा नहीं है कि कोई आए और उन्हें जलपान न करवाए। पूर्व मंत्री विज ने कहा कि जो सोशल मीडिया पर चल रहा है कि ''मैंने आशीर्वाद दे दिया ये गलत है। उन्होंने मेरे पांव भी छुए और 10 बार कहा कि आशीर्वाद दे दो लेकिन राजनीति अपनी जगह है और व्यक्तिगत रिश्ते अपनी जगह हैं।

सातवीं कक्षा की लापता छात्रा के मामले में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- पड़ोसन पर जताया शक

7वीं कक्षा की छात्रा घर से लापता है। परिजन पिछले 9 दिन से किशोरी की तलाश में भटक रहे हैं लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लग सका। किशोरी के पिता ने पुलिस को शिकायत सौंपकर बेटी की तलाश करने की गुहार लगाई है। 15 वर्षीय किशोरी पहले भी घर से चली गई थी लेकिन वापस लौट आई थी। घर पर बताया था कि सहेलियों के साथ घूमने-फिरने चली गई थी। किशोरी के पिता ने अब पड़ोस में रहने वाली एक शादीशुदा महिला पर बेटी को साथ ले जाने का शक जताया है। आरोप लगाया कि उनकी पड़ोसी उसकी बेटी को गलत काम में धकेलना चाहती है। अगर कुछ बात हो गई तो हम कहां जाएंगे। पुलिस ने अपहरण के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पटेल रोड के व्यक्ति ने बताया कि उसके पास 4 बच्चे हैं। 2 बेटी और 2 बेटे। उसकी बड़ी बेटी शादीशुदा है, 15 वर्षीय छोटी बेटी कपड़ा मार्केट के पास स्कूल में 7वीं क्लास में पढ़ाई करती है। उसकी बेटी 2 माह पहले भी बिना बताए कहीं चली गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज किया था। अब फिर 2 मई को घर से बिना बताए कहीं चली गई है। पिता ने बताया कि उसकी बेटी के पास कोई फोन भी नहीं है। 2 मई की दोपहर को उसकी पत्नी अपने घर पर ताला लगा सो रही थी, लेकिन बेटी पड़ोसी की छत से भाग निकली। वे 2 मई से ही बेटी की तलाश में जुटे हैं, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा है। आरोप लगाया कि पटेल रोड निवासी एक युवती उसकी बेटी को साथ लेकर गई है।

'एक मां आपकी पहली दोस्त, सबसे अच्छी दोस्त और हमेशा के लिए दोस्त होती है'

चंडीगढ़। मातृत्व का जश्न मनाने और बिना शर्त प्यार के प्रतीक को सलाम करने के लिए, किंडरगार्टन के छोटे सेंट जॉनियन और सेंट जॉन्स स्कूल (सह-एड), शिवालिक सिटी, सेक्टर -127, खरड़ के प्राथमिक विंग ब्लॉक ने इस मातृ दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रिंसिपल के संबोधन से हुई, जिसमें स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती पूनम आहूजा ने सभी का स्वागत किया और हमारे जीवन में मां की भूमिका के बारे में प्रकाश डाला। किंडरगार्टन के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मां के प्यार को समर्पित एक मंत्रमुग्ध नृत्य प्रस्तुति देकर इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों ने अपनी मां के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित करते हुए नृत्य प्रस्तुत किया। बाद में छात्रों और शिक्षकों द्वारा 'मां' की थीम पर शानदार गायन प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। जिसमें दुनिया के सबसे शुद्ध प्रेम के प्रति उनकी कृतज्ञता और श्रद्धा प्रदर्शित हुई। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2024 में शीर्ष स्थान किया हासिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंडीगढ़

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी 2 विषयों में दुनिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में हुआ शामिल, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2024 में निजी विश्वविद्यालयों के बीच 3 विषयों में भारत में प्रथम हॉस्पिटैलिटी और लेयर मैनेजमेंट में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी भारत में प्रथम स्थान पर , इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी मे भारतीय निजी विश्वविद्यालयों में हासिल किया दूसरा स्थान हरियाणा के 542 सीयू छात्रों को प्लेसमेंट ड्राइव 2023-24 के दौरान शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मिले ऑफर, 225 को मिले कई ऑफर "चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू), घड़ूआं हर गुजरते दिन के साथ सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल कर रही है। हाल ही में क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग 2024 में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में उच्च शिक्षा के विशिष्ट संस्थानों के बीच अपनी स्थिति ओर मजबूत कर ली है।" चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर के सलाहकार डॉ. आर एस बावा ने हिसार (हरियाणा) में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बोलते हुए, डॉ. आरएस बावा ने कहा, "भारत के संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने पिछले साल के पांच विषयों की तुलना में इस वर्ष आठ पाठ्यक्रमों के चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने देश में अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में अपनी स्थिति मज़बूत कर ली है।

प्रचार बंद होने से मतदान समाप्ति तक नहीं हो सकता ओपिनियन पोल

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने ओपिनियन पोल करने वाली संस्थाओं के लिए जारी किए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. शालीन ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार अंबाला लोकसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया की समाप्ति के 48 घंटे पहले यानी 23 मई को सायं 6 बजे से ओपिनियन पोल के परिणाम के प्रकाशन व प्रसारण पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान सोशल मीडिया सहित किसी भी मीडिया माध्यम से ओपिनियन पोल नहीं किया जा सकता है। डॉ. शालीन ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार चुनाव प्रचार के बंद होने से लेकर मतदान समाप्ति तक लोकसभा चुनाव से संबंधित ओपिनियन पोल व चुनाव संबंधी किसी अन्य सर्वे आदि के परिणाम के प्रसारण व प्रकाशन पर पाबंदी है। आयोग ने जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 126 (1)(बी) के तहत ऐसे आदेश जारी किए हुए हैं। आयोग के आदेशों के अनुसार सभी संबंधित क्षेत्रों में चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के समय से 48 घंटे पहले अर्थात 23 मई सायं 6 बजे से ओपिनियन पोल व सर्वे आदि के परिणाम के प्रसारण व प्रकाशन पर पाबंदी रहेगी। इस दौरान कोई भी समाचार पत्र, मैगजीन, पत्रिका, न्यूज चैनल इत्यादि में ओपिनियन पोल का प्रकाशन नहीं कर सकेगा।

गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए गर्वनमेंट पीजी कॉलेज ने साइन किया एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। साइन किए किए गए एमओयू को दिखाते कंपनी प्रतिनिधि व प्रिंसिपल।

छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध करवाने को लेकर गवर्नमेंट पीजी कॉलेज ने कोड्रॉइड हब प्राइवेट लिमिटेड पटना के साथ एक एमओयू किया है। कॉलेज की तरफ से कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. देस राज बाजवा व कड्रॉइड हब के डायरेक्टर देवाशीष कुमार ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कड्रॉइड हब की प्रतिनिधि भावना सैनी ने बताया कि इस एमओयू के तहत छात्रों के स्किल डिवेलपमेंट के लिए विभिन प्रकार की ट्रेनिंग, सेमीनार व वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा । इस मौके पर कंप्यूटर विभाग से प्रो अशोक काजल, कॉलेज रजिस्ट्रार गुरविंदर सिंह, प्रो मनीषा सैनी, प्रो कर्मजीत कौर व प्रो शक्ति कुमार उपस्थित रहे।

ऑपरेशन के लिए गए दंपति पीछे से चोरों ने किया हाथ साफ

बराड़ा। गांव गंगनपुर निवासी एक व्यक्ति ने पांच लोगों पर घर में घुसकर सामान चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित शिकायतकर्ता सुभाष चंद वासी गांव गंगनपुर ने बताया कि बीती 1 मई 2024 को वह अपनी पत्नी नीरू का ऑपरेशन करवाने यमुनानगर लेकर गया हुआ था। जब वह 4 मई को वापिस लौटे तो देखा कि घर का सारा समान बिखरा पड़ा है और पेटी का ताला टूटा हुआ था। पीड़ित ने सीसीटीवी चैक किया तो पाया कि 3 मई को उनके घर में 5 व्यक्ति आए थे जिनमें से दो को पीड़ित जानता है बाकी तीन को नहीं जानता। उपरोक्त ने साजिश के तहत घर से सामान चुराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

रेलवे स्टेशन से मिला लावारिस बच्चा

- एमडीडी ऑफ इंडिया ने बच्चे के परिजनों की तलाश शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा बरामद किया गया लावारिस बच्चा।

एमडीडी ऑफ इंडिया ने रेलवे स्टेशन से एक बच्चे को बरामद किया है। अब बच्चे के परिजनों का तलाशने का काम चल रहा है। आरपीएफ पुलिस चौकी रेलवे स्टेशन से बीते रोज अजय तिवारी को फोन आया जिसमें पुलिस अधिकारी ने बताया उन्हें एक बच्चा मिला है जो अपना नाम व पता बताने में असमर्थ है। बच्चे की उम्र लगभग आठ वर्ष है।

तिवारी द्वारा कम्यूनिटी सोशल वर्कर हरदीप सिंह व हाकम सिंह को बच्चे को रेस्कयू करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद दोनों आरपीएफ चौकी पहुंचे। यहां से बच्चे को अपने संरक्षण में लिया। पुलिस अधिकारी ने टीम को बताया यह बच्चा अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 07 पर लावारिस हालत में घूम रहा था। इसके बाद बच्चे से परिजनों के बारे पूछा गया। बच्चे ने परिजनों की जानकारी नहीं दी।

टीम द्वारा बच्चे से बातचीत करने की कोशिश की। बच्चा कुछ भी बचाने में असमर्थ है। टीम द्वारा बच्चे की डीडीआर करवाकर नागरिक अस्पताल से मेडिकल करवाया गया। कोऑर्डिनेटर अजय तिवारी द्वारा मामले की सूचना बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन रंजीता सचदेवा को दी गई। बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चे के अस्थायी ऑर्डर ओपन शैल्टर होम के कर दिए। फिलहाल एमडीडी ऑफ इंडिया टीम द्वारा बच्चे की कांउसलिग की जा रही है। परिजनों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पनीर लेने गए व्यक्ति पर लाठी-डंडों से हमला

- एक्टिवा तोड़ने व गले की चेन छीनने का भी आरोप
- आपसी रंजिस को लेकर किया था हमाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

रंजिश को लेकर कुछ लोगों ने एक व्यक्ति पर हमला कर उसे घायल कर दिया। शिकायतकर्ता राहुल गोयल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 10 मई 2024 को वह अपनी एक्टिवा पर सवार होकर चीमा स्वीट हाऊस के पास पनीर लेने गया था। जैसे वह पनीर लेकर दुकान से बाहर निकला तो उस पर कर्ण राणा व मोहन व अन्य उस पर डंडो, लाठी व चाकू से हमला कर दिया।

शिकायतकर्ता ने कहा कि हमलावरों ने उसकी एक्टिवा को भी तोड़ दिया और गले में पड़ी सोने की चेन छीन ली। पीड़ित ने वहां से किसी तरह से भागकर जान बचाई। बीते दिनों भी दोनों पक्षों में आपसी लड़ाई-झगड़ा हुआ था जिसमें समझौता भी हो गया था।

पुलिस ने अब शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी की मानें तो जल्द ही आरोपियों को काबू किया जाएगा।

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी अमित कुमार को गिरफ्तार किया है। अब उसे एक दिन के रिमांड पर लिया है।

शीतला खेड़ा के पास रहने वाले मनोज पुंडीर ने 20 जून 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 12 मार्च 2023 से 20 जून 2023 के दौरान आरोपी अमित कुमार व अन्य ने उससे जमीन का सौदा करने के नाम पर एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधडी करने का अपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

पुलिस ने पिड़ित को आश्वासन दिया की वे आरोपी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेंगे और पिड़ित को न्याय जरूरी मिलेगा।

36 साल की सेवा के बाद शनिवार को सेवानिवृत्त हुई

38 बार ब्लड डोनेट करने वाली डॉ. साधना हुई रिटायर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। डॉ साधना को भावभीनी विदाई देते हुए स्टाफ।

संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में कार्यरत अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ. साधना साढ़े 36 साल की सेवा के बाद शनिवार को सेवानिवृत्त हो गई। उनकी सेवानिवृत्त होने पर कॉलेज प्राचार्या डॉ. इंदु विज एवं प्रबंधक कमेटी द्वारा एक विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार दीदार सिंह तथा संपूर्ण कमेटी व स्टाफ सदस्यों की तरफ से डॉ साधना को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस मौके पर डॉ. विज ने उनकी लंबी आयु तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि डॉ साधना ने 1987 से इस संस्थान में समर्पण, निष्ठा, ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने संस्थान के विकास में बहुत योगदान दिया। डॉ साधना ने महिला प्रकोष्ठ , एनएसएस, रेड क्रॉस, रेड रिबन, अनुशासन, नेक कमेटी, एडमिशन कमेटी, टूर कमेटी में सक्रिय सदस्य के रूप में जिम्मेदारी निभाई। सभी स्टाफ सदस्यों ने उनके साथ बिताए कॉलेज के पलों को सांझा किया।

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

{ आवरण कथा / कुमार राधारमण }

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जुलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।'* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाईं, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी मांएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

{ जज्बात / मुनव्वर राना }

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बददुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सजदे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तकः हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 499 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथाएं }

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्यौछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां भावनाओं का समंदर

मां हो तो ऐसी !

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।
इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।' घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

मनमोहक-आकर्षक
पहाड़ों का कुदरती सौंदर्य

घूमने के लिए तो देश-दुनिया में बहुत कुछ है, लेकिन जिन्हें कुदरती नजारे लुभाते हैं, वे पहाड़ों और उसकी हरी-भरी वादियों में घूमना बहुत पसंद करते हैं। अपने देश के अलग-अलग स्थानों पर स्थित पहाड़ों की क्या विशेषताएं हैं, वे एक-दूसरे से कितने अलग हैं, इनका अनुभव लेखक बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

नेचर ट्रैवलिंग / समीर चौधरी

हल्की-हल्की ठंडी हवा देवदार के पेड़ों में झंकार पैदा करते हुए बह रही थी। दूधिया झरना पत्थरों के बीच में से होता हुआ उतर रहा था। कहीं दूर बर्फीला तीतर अपने साथी को पुकार रहा था। पहाड़ी के ऊपर बने पुरातन मंदिर में सूरज की किरणें पड़ रही थीं, जो बर्फीली मोती जैसी चोटियों को भी चमका रही थीं। सब कुछ परियों के देश जैसा लग रहा था। मैं पहाड़ों की यात्रा पर था। यह पिछले जाड़ों की बात है।

पहाड़ों का अस्तित्व है जरूरी

पहाड़ आपको लुभाते हों या नहीं लेकिन यह सभी को पता होना चाहिए कि पहाड़ों में जीवन देने की कितनी क्षमता होती है। साथ ही पहाड़ों की शानदार जैव विविधता की महत्ता को समझकर उसके संरक्षण का हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमें जो ताजा, पीने योग्य पानी मिलता है, उसका 60 से 80 प्रतिशत पहाड़ों से हासिल होता है। पहाड़ असंख्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को अपनी गोद में आसरा देते हैं। पहाड़ संपूर्ण भूमंडल का 24 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं और 13 प्रतिशत ग्लोबल जनसंख्या को शरण देते हैं। इन महत्ताओं को जानने के अलावा पहाड़ी सौंदर्य मुझे हमेशा आकृष्ट करता रहा है। पहाड़ खामोश प्रहरी हैं, जो अनेक तरह से हमारी रक्षा करते हैं। पहाड़ों की यात्रा करने का अर्थ है प्रकृति से ऐसे जुड़ना कि अपने ही मन की गहराइयों में उतरने का अवसर मिल जाए।

हर पहाड़ का अलग आकर्षण

मैंने भारत के लगभग सभी हिस्सों यानी उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में स्थित पहाड़ों की यात्रा की है। हर पर्वत श्रृंखला का अपना एक अलग ही आकर्षण होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि पहाड़ों की ऊंचाई और भूखंड कैसा है, क्योंकि इन्हीं से वहां का क्लाइमेट, वेजिटेशन और लोगों की जीवनशैली तय होती है। पिछले साल नवंबर में जब मैं उत्तराखंड के पहाड़ों से रूबरू होने गया था तो मैंने विंटरलाइन की मंत्रमुग्ध करने वाली सुंदरता का आनंद लिया, जहां जाड़ों के महीनों में शाम के समय नारंगी-सुनहरा कृत्रिम क्षितिज बन जाता है। यह दुनिया में सिर्फ दो ही जगह दिखाई देता है- अपने देश के मसूरी में और स्विट्जरलैंड में। इसी तरह जब मैं इस साल जनवरी में हिमाचल प्रदेश में था, तो मैंने एल्पेन ग्लो इफेक्ट देखा, जब सूर्य की किरणों के बिखरने से बर्फ से ढंकी चोटियां जलती आग की तरह लाल हो जाती हैं। इन दोनों ही कंडीशंस को समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टि और सिद्धांत तो है ही, लेकिन मुझ जैसे आम घुमक्कड़ के लिए यह प्रकृति का चमत्कार है, शानदार जादू है, जिसे केवल पहाड़ों में ही देखा जा सकता है।

दिल को छू लेती है उनकी सुंदरता

अगर टिहरी में मुझे देवदार के पेड़ों की सोनी-सोनी गंध ने मंत्रमुग्ध किया तो नड्डी के घने जंगलों ने मुझे अचरज से भर दिया। दक्षिण भारत में पहाड़ आमतौर से चाय बागानों का घर होते हैं, जैसे कि ऊटी, कुनोर और मुन्नार में। लेकिन बीच-बीच में ऊंचे सिल्वर ओक और यूकेलिप्टस के पेड़ भी हैं, जिन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे वह नीले आसमान से कुछ राज की बातें सरगोशियों में कर रहे हों।

पहाड़ी पर्यटन का अनोखा आनंद

पहाड़ों की यात्रा करते समय मुझे आमतौर से सीधे, सच्चे, धार्मिक और मिलनसार स्थानीय लोग मिलते हैं, जो पर्यटकों का खुले दिल, खुली बाहों और मुस्कान के साथ स्वागत करते हैं। वे अपनी प्राकृतिक धरोहर पर गर्व करते हैं और पर्यटकों को अपनी भूमि, अपने देवताओं, अपने पशुओं और पहाड़ों के साथ अपने गहरे रिश्तों की दिल को स्पर्श करने वाली कहानियां सुनाते हुए कभी थकते नहीं हैं। मैं अकसर अकेला ही यात्रा करता हूं, इसलिए मैंने स्थानीय लोगों के साथ सुनसान जंगलों, खामोश पहाड़ों में घंटों बिताए हैं, लेकिन कभी भी मैंने परेशानी या असुरक्षा का एहसास तक नहीं किया। *

हम ही पहुंचा रहे नुकसान

पहाड़ केवल शानदार नजारों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स योग्य तस्वीरों के लिए नहीं होते हैं। पहाड़ों में जीवन जीना कठिन भी होता है। चलना और बुनियादी काम जैसे कुकिंग और खेती के लिए भी जबरदस्त शारीरिक श्रम और स्टैमिना की आवश्यकता होती है। उनका इकोसिस्टम बहुत नाजुक होता है, जिसे संभालने और संरक्षित करने की जरूरत होती है। पहाड़ों पर जब बारिश पड़ती है या बर्फ गिरती है तो एक जगह से दूसरी जगह जाना और चीजों की उपलब्धता चिंता का विषय बन जाते हैं। प्राकृतिक आपदाएं जैसे फ्लैश फ्लड्स, भू-स्खलन, हिम-स्खलन आदि जीवन को पूरी तरह से रोक देते हैं, जिससे सुरक्षा और जीविकोपार्जन के लिए संकट उत्पन्न हो जाते हैं। अकसर ये आपदाएं मानव-निर्मित भी होती हैं। गैर-जिम्मेदाराना पर्यटन, स्वार्थी कमर्शियल लक्ष्य, बिना सोचे-समझे पेड़ों को काटना, अनियोजित शहरीकरण आदि कारण हैं, जिनसे पहाड़ों और पहाड़ी जीवन को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर जैसे हिमालय पहाड़ के राज्यों में हाल के वर्षों में जो प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिली हैं, वे हमसे सख्ती से कह रही हैं कि प्रकृति में असंतुलन उत्पन्न मत करो वर्ना प्रकृति का गुस्सा बर्दाश्त नहीं कर पाओगे।

उपयोगी पेड़ / शिवचरण चौहान

कहते हैं, मई-जून में अमलतास के फूल जितना अधिक खिलते हैं, मानसून में उतनी ही अच्छी बरसात होती है। अमलतास का फूलना सदैव मंगलकारी माना गया है। इस वृक्ष के विभिन्न नाम, प्रकार और विशेषताओं के बारे में जानिए।

पीले फूलों वाला
अमलतास का वृक्ष

पीले सुंदर फूलों वाले वृक्ष अमलतास को देव वृक्ष भी कहा जाता है। संस्कृत के कवि कालिदास ने इसकी बहुत प्रशंसा की है और इसे स्वर्ण फूल वाला वृक्ष कहा है। सचमुच सुंदर पीले फूलों से शोभायमान अमलतास अपने अद्भुत सौंदर्य से सबका मन मोह लेता है। यह वृक्ष भारत और म्यांमार के जंगलों में खूब पाया जाता है। यह पेड़ ज्यादातर समूह में नहीं उगता, लेकिन उन जंगलों में यह समूहों में उगता है, जिन जंगलों में बंदरों की अधिकता होती है। जब बंदर इसकी फलियों को तोड़ते हैं तो इसके बीज बिखर जाते हैं। इस तरह इन्हें दूसरी जगह पर उगने और फैलने का अवसर मिल जाता है, यह इसलिए उपयोगी होता है, क्योंकि इसके बीज कठिनाई से उगते हैं। इसके ज्यादातर बीजों को कीड़े फलियों के अंदर ही खा जाते हैं।

पेड़ की विशेषताएं: छोटे पौधों की छाल हरी, धुएं के रंग जैसी और चिकनी होती है। जो पेड़ पर ही लगे रहने के कारण काली ओर खुरदरी होती चली जाती है। अमलतास के फूल गर्म मौसम में अप्रैल, मई, जून के महीने में खिलते हैं। इन फूलों से लदे पेड़ों की सुंदरता देखने लायक होती है। लंबे पतीले से डंठलों पर लटकने वाले पीले फूल और गोल कलियां कानों में लटकने वाले झुमकों के समान दिखाई देते हैं। इसके पत्ते आकार में बड़े और जुड़े हुए होते हैं। पत्ते तीन से आठ जोड़ों में उगते हैं।

अमलतास के फूलों की छटा और नए पत्तों के रंगों को देखते हुए इसके कई भेद किए गए हैं। इसकी फलियां प्रारंभ में हरी ओर कोमल होती हैं। यह फलियां केंद्र से दो फीट लंबी लटकती हैं। हर फली में पच्चीस से सौ तक भूरे रंग के चमकीले बीज अलग-अलग खानों में पड़े रहते हैं। फली के अंदर काला मीठा गूदा रहता है, जो इन बीजों के साथ लगा रहता है। इस काले से गूदे को अमलतास का गुड़ कहते हैं। बंदर, गीदड़ और भालू आदि कई प्राणी इस प्राकृतिक गुड़ को चाव से खाते हैं। खासकर इसकी फली के कारण यह पेड़ बंदरों को विशेष रूप से प्रिय है। यही कारण है कि इस अमलतास के पेड़ का एक नाम 'बंदर लाठी' भी है।

नाम हैं कई : अमलतास का पेड़ भारत में लगभग सभी प्रांतों में पाया जाता है। पहाड़ों में भी 2000 फीट की ऊंचाई तक यह पाया जाता है। हर प्रदेश में इसका नाम अलग-अलग है। हिंदी में इसे किराल, किलवली, सिनार, तेलुगु में रेला, संस्कृत में सुवर्णक, बंगाली में बंदर लाठी, सोनाली, मराठी में जंबा, बेहावा, गुजराती में गरमा डो और अंग्रेजी में इंडियन लैबनर्म कहते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम कासिआ फीस्टुला है। अन्य भारतीय भाषाओं में इसके नाम किरमाल, गिरमाल आदि हैं। ये शब्द संस्कृत के कृतमाल शब्द से निकले हैं। माला के समान लटकते फूलों के कारण संस्कृत में इसे कृतमाल का नाम दिया गया है। मालवा क्षेत्र में इसे गिरमली नाम से जाना जाता है। डच भाषा में इसे गोल्डन शावर नाम दिया गया है। चिकित्सा ग्रंथों में इसे स्वर्णद्रुम, स्वर्णाश और स्वर्ण भूषण जैसे नाम दिए गए हैं। वाल्मीकि ऋषि ने इसे कांचन वृक्ष अर्थात सोने के पेड़ जैसा सुंदर नाम दिया है। फूलों के उल्लास भरे सौंदर्य के कारण इसे राजवृक्ष अर्थात वृक्षों का राजा नाम भी दिया गया है।

अमलतास के वंश का एक और पौधा : अमलतास के वंश का एक और पौधा पाया जाता है, जिसे सनाय, अंग्रेजी में इंडियन सेन्ना, संस्कृत में भूपक्ष कहते हैं। यह झाड़ीनुमा होता है। दक्षिण भारत, अरब और सोमालीलैंड में इसकी प्रजातियां पाई जाती हैं। अमलतास के पत्ते ग्रीष्म ऋतु में गिर जाते हैं और फिर नए पत्ते आते हैं। अप्रैल, मई और जून में अमलतास बागों में या शहरों और महानगरों में सड़क किनारे अपने पीले फूलों से छटा बिखेरता दिखाई देता है।

अमलतास के उपयोगी गुण : अमलतास में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं। अमलतास का लंबा-सा फल बहुपयोगी होता है। फल का गूदा रेचक औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। अमलतास के पेड़ की छाल को सुमारी कहते हैं। इसमें टेनिन प्रचुर मात्रा में होता है। अमलतास की लकड़ी बहुत मजबूत होती है, जो मकान, पुल और खेती में उपयोगी अनेक प्रकार के औजार बनाने के काम आती है। *

आत्मचिंतन / राजयोगी बीके निकुंज जी

संपूर्ण विश्व है एक परिवार

आत्मवत सर्व भूतानि यः पश्यति सः पंडिताः इस पौराणिक सूत्र में मानव कल्याण की समग्र भावना सन्निहित है। यह सारा विश्व एक सूत्र में बंध सकता है, यदि हम सभी संसार को एक कुटुंब के रूप में देखें और प्रत्येक मनुष्य से वैसे ही प्रेम करें, जैसे हम अपने परिवार के सदस्यों से करते हैं।

सभी मनुष्यों में रक्त संबंध: प्राकृतिक रचना की दृष्टि से भी देखा जाए तो सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं, क्योंकि परिवार उसे माना जाता है जहां रक्त का संबंध स्थापित हो सके और संसार के किसी भी कोने के मानव का रक्त, संसार के किसी भी दूसरे कोने के अन्य मानव को चढ़ाया जा सकता है। और जहां तक रक्त के ग्रुप की बात है वह तो पिता और पुत्र का भी अलग-अलग हो सकता है अन्यथा जाति, कुल आदि के आधार पर रक्त की भिन्नता नहीं है। हम जानते हैं, एक ही केंद्र या स्रोत से निकलने वाले जल की कालांतर में अनेक धाराएं बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही इस विश्व परिवार के साथ भी हुआ है। बीज और तने की सही जानकारी न होने के कारण कालांतर में निकली शाखाएं अपने को ही मूल पेड़ मान बैठी हैं और इस प्रकार शाखाएं, उप-शाखाएं, टहनियां आपस में टकराने लगी हैं। अब, पेड़ तो जड़ होता है और उसका बीज बोल नहीं सकता, नहीं तो वो बताता कि कौन-सी शाखा पहले आई, कौन-सी बाद में अर्थात पेड़ के क्रमवार विकास की जानकारी वह देता। परंतु, सृष्टि रूपी वृक्ष का बीज परमात्मा तो चेतन है। जब वह देखता है कि वैश्विक भावना को भूलकर उसके बच्चे छोटे-छोटे समूहों में बंट गए हैं और एक-दूसरे से कट गए हैं, उनका प्रेम संकुचित और स्वार्थपरक हो गया है, तब ऐसे माहौल को मिटाने के लिए वह स्वयं इस सृष्टि पर अवतरित होकर हम मनुष्यों को विश्व-परिवार की भावना से, एक परिवार में जोड़ने का महान कार्य करते हैं।

हम ना भूलें विश्व परिवार की भावना: आज जबकि भ्रष्टाचार सहित अनेकानेक समस्याओं से देश और विश्व जूझ रहा है, सभी में यदि विश्व परिवार की यह उच्चतम श्रेष्ठ भावना घर कर जाए तो इन सभी समस्याओं को छूमंतर होने में देरी नही लगेगी। स्मरण रहे, मेरे-तेरे की क्षुद्र भावनाएं ही समस्याओं को जन्म देती हैं, आपस में दूरियां बढ़ाती हैं। इसीलिए आज आवश्यक है कि हम संपूर्ण विश्व को अपने परिवार का हिस्सा मानें। किसी के प्रति कोई दुर्भावना ना पालें। इस सोच से ही विश्व का कल्याण संभव है। *

फीलिंग्स

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' की कहानी के केंद्र में परिवार है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (15 मई) के अवसर पर परिवार के महत्व के बारे में **हरिभूमि** को बता रहे हैं, शो के कलाकार।

हमारा प्यारा सपोर्ट सिस्टम
हमारा परिवार

सीरियल 'वागले की दुनिया' के प्रमुख कलाकार

एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार की तीन पीढ़ियों की दैनिक चुनौतियों, खुशियों और आपसी बंधन की कहानी को 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' सीरियल में दिखाया जा रहा है। परिवार की महत्ता के बारे में अपनी फीलिंग्स यहां शेयर कर रहे हैं शो के एक्टर्स।

सीरियल 'वागले की दुनिया' में श्रीनिवास वागले की भूमिका निभाने वाले **अंजन श्रीवास्तव** कहते हैं, 'हमारा शो फैमिली की इंपॉर्टेंस को ही बताता है। मेरा मानना है कि फैमिली भी देश की तरह होती है। हैप्पी फैमिली के लिए हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। संभव है, इसमें रुकावटें आएंगी, ऑब्जेक्शंस होंगे, लेकिन इस वजह से हम फैमिली से अलग नहीं हो सकते। अपनी बात करूं, तो 54 सालों के मेरे प्रोफेशनल करियर में मेरी फैमिली, खासतौर से मेरी वाइफ का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मेरा मानना है कि किसी भी फील्ड में ग्रो करने के लिए फैमिली सपोर्ट का बहुत बड़ा रोल होता है।'

सीरियल में राधिका वागले की भूमिका निभा रहीं **भारती आचरेकर** फैमिली की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहती हैं, 'फैमिली को मैं बहुत इंपॉर्टेंट मानती हूं। हालांकि मैंने बहुत साल अकेले गुजारे हैं। दरअसल, जब मैं 34 साल की थी तभी अपने पति को खो दिया। अब मैं और मेरा बेटा, यही मेरी फैमिली है। लेकिन मेरा मानना है कि फैमिली होना, उसका सपोर्ट होना बहुत जरूरी है। बेटे के अलावा मेरी चार बहनें हैं और हम सभी एक-दूसरे के बहुत क्लोज हैं। मेरी बहनें आस-पास ही रहती हैं, कभी भी जरूरत पड़ने पर वे भागकर आती हैं। इससे मेरे मन में यह बात जरूर रहती है कि मेरी फैमिली है और जरूरत के वक्त मेरे फैमिली मेंबर्स मेरे साथ खड़े होंगे। इससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

शो में राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले **सुमित राघवन** कहते हैं, 'चाहे आनंद के क्षणों को साझा करना हो या एक साथ चुनौतियों से गुजरना हो, परिजनों का एक नेटवर्क होना वास्तव में आशीर्वाद की तरह है। आज की दौड़ती-भागती दुनिया में, खासकर बड़े शहरों में लोग तेजी से अलग-थलग हो रहे हैं। ऐसे में परिवार की महत्ता और भी बढ़ जाती है। मेरा मानना है कि हमारे सीरियल 'वागले की दुनिया' ने दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, इससे उन्हें संयुक्त परिवार की अवधारणा को अपनाने और अपने प्रियजनों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरणा मिली है।'

सीरियल में वंदना वागले की भूमिका निभाने वालीं **परिवा प्रणति** कहती हैं, 'वंदना वागले के रूप में मुझे ऐसे शो का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है, जो पारिवारिक जीवन के सार को खूबसूरती से दर्शाता है। इस सीरियल में हम उन बंधनों का जश्न मनाते हैं, जो हमें एक-साथ बांधते हैं। हम तीन साल से अधिक समय से साथ में काम कर रहे हैं और ऑफ-स्क्रीन भी एक परिवार की तरह हो गए हैं। वास्तविक जीवन में भी अपने परिवार में प्रियजनों के साथ रहने से जो खुशी और संबल मिलता है, वो अमूल्य होता है। हमें हर हाल में परिवार के साथ जुड़े रहना चाहिए।'

सीरियल में सखी वागले की भूमिका निभाने वाली **चिन्मयी साल्वी** कहती हैं, 'अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, पारिवारिक बंधनों की सुंदरता का जश्न मनाने का क्षण होता है। हमें अपने परिवार के साथ जो भी खूबसूरत पल बिताने का अवसर मिले, उसे गंवाना नहीं चाहिए। हमारा शो भी परिवारों के भीतर एकजुटता, सहानुभूति और समझ के महत्व को बताता है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

बड़ा पर्दा
अशोक जोशी

हालांकि लगभग हर फिल्म में मां किसी न किसी रूप में दिखाई जाती है। लेकिन कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो मातृ शक्ति को पर्दे पर शिद्दत के साथ पेश करती हैं। कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिन्होंने मां के कद को और ऊंचे स्थान पर प्रतिष्ठित किया है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखे
मां की ममता के रंग

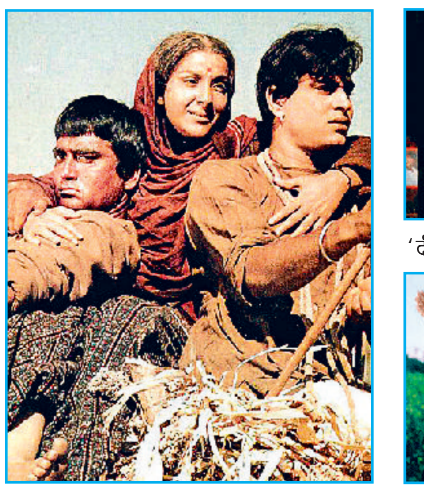

'मदर इंडिया' : नरगिस ने निभाई यादगार भूमिका

'दीवार' : ममतामयी–सख्त किरदार में निरूपा राय

'करन–अर्जुन' : राखी ने निभाई दमदार भूमिका

बात जब मां के चरित्र पर केंद्रित फिल्मों की आती है तो सबसे पहले 'मदर इंडिया' का नाम जेहन में आता है। 1957 में आई नरगिस, राजेंद्र कुमार और सुनील दत्त अभिनीत इस फिल्म को महबूब खान ने निर्देशित किया था। 'मदर इंडिया' देश की आजादी के बाद की कहानी है, जिसमें एक गरीबी से त्रस्त महिला राधा, पति की गैर-मौजूदगी में अपने बच्चों की परवरिश के लिए संघर्ष करती दिखती है। यह ऐसी मां है, जो न तो अपने चरित्र पर दाग लगने देती है बल्कि अपने गांव की एक बेटी को दाग लगने से बचाने के लिए अपने बेटे की जान लेने तक से नहीं हिचकती।

ममतामयी ही नहीं कठोर भी: 'मदर इंडिया' में चित्रित मां का चरित्र बाद में कई सफल फिल्मों का आधार बना। सलीम जावेद ने अपनी फिल्म 'दीवार' और 'त्रिशूल' में ऐसी ही मां को चित्रित किया, जिसे निरूपा राय और वहीदा रहमान ने सशक्त तरीके से पर्दे पर उतारा। संजय दत्त की फिल्म 'वास्तव' की मां रीमा लागू भी ऐसी ही ममतामयी लेकिन सख्त मां है, जो अपने अपराधी बेटे को अपराध के दलदल से निकालने के लिए पिस्तौल का सहारा लेती है। सुचित्रा सेन, अशोक कुमार और धर्मेंद्र अभिनीत 1966 की हिंदी फिल्म 'ममता' उस युवती की कहानी है, जो अपनी उस मां के तलाश में है, जिसने बेटी के बेहतर जीवन के लिए अपने सपनों और अभिलाषाओं का त्याग कर दिया था। फिल्म का निर्देशन असित सेन ने किया था।

मां से जुड़ाव को उकेरती फिल्में : यूं तो 'आराधना' को एक रोमांटिक फिल्म माना जाता है, लेकिन इस फिल्म का आधार एक ऐसी मां की कहानी है, जो अपने बेटे का जीवन संवारने के लिए जेल तक चली जाती है। उसे अंत तक पता नहीं लगने देती कि वह उसकी मां है। बलिदानी मां की इस भूमिका को शर्मिला टैगोर ने बड़ी खूबसूरती से निभाया था। सलमान खान और शाहरुख खान अभिनीत 'करण अर्जुन' मां-बेटों के बीच प्यार की बड़ी खूबसूरत कहानी है। संपत्ति की लालच में मार दिए गए अपने दोनों बेटों के फिर से लौटने के इंतजार में बैठी मां (राखी) को आखिरकार उसके बेटे वापस मिल जाते हैं। फिल्म में मां की ममता के विश्वास की दृढ़ता और उसकी वजह से असंभव को भी संभव बनने का संदेश दिया गया है। फिल्म को राकेश रोशन ने निर्देशित किया है। 'राम लखन' में भी राखी ने ऐसी ही मां की भूमिका निभाई थी।

अचला सचदेव

रीमा लागू

ललिता पंवार

दुर्गा खोटे

कुछ भी कर गुजरने को तैयार मां : 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'जख्म' दंगों में जला दी गई एक मुस्लिम मां की कहानी है। पूरी फिल्म एक मुस्लिम मां के उस हिंदू बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मां की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए मरने के बाद उसे सम्मान के साथ दफन करने का फैसला करता है। फिल्म की कहानी बताती है कि कैसे एक मां अपने बच्चे और अपने प्यार के लिए आदर्श बनने के लिए अपनी आस्था छोड़ देती है। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके खुद के जीवन के काफी करीब है।

भावनात्मक लगाव दर्शाती फिल्में : महाश्वेता देवी के लिखे बांग्ला उपन्यास पर आधारित गोविंद निहलानी के निर्देशन में बनी 'हजार चौरासी की मां' उस मां की कहानी है, जो नक्सली विचारों से प्रेरित अपने बेटे को एक पुलिस मुठभेड़ में खो देती है और उसके शव के नंबर 1084 की वजह से हजार चौरासी की मां कही जाती है। फिल्म में जया बच्चन और अनुपम खेर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। 'निल बटे सन्नाटा' एक ऐसी वंचित लेकिन सशक्त मां की कहानी है, जो अपनी बेटी के लिए बड़े-बड़े सपने देखती है।

मां के रोल में खूब किया गया इनको पसंद: फिल्मों में सहृदय ममतामयी मां की भूमिका को निरूपा राय ने इतनी शिद्दत के साथ पर्दे पर उतारा है कि आम जीवन में भी सभी सीधी-सादी मां को निरूपा राय कह कर ही पुकारा जाता है। अचला सचदेव, लीला चिटणीस और सुलोचना जैसी कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हुई हैं, जिन्हें दर्शकों ने हमेशा मां की भूमिका में ही देखा। जब गौरवशाली और ममतामयी मां की भूमिका का उल्लेख होता है तो 'मुगले आजम' में जोधा बाई की भूमिका निभाने वाली दुर्गा खोटे का नाम भुलाए नहीं भूलता। आधुनिक फिल्मी माताओं में रीमा लागू ने एक सेलिब्रिटी मां के चरित्र को पर्दे पर उतारा है। क्रूर और सौतेली मां की भूमिका में ललिता पंवार, शशिकला और अरुणा इरानी ने नाम कमाया। कुछ अभिनेत्रियां, कुछ खास नायकों की मां के लिए रोल मॉडल बना दी गईं। कामिनी कौशल को मनोज कुमार की मां के रूप में पसंद किया गया तो रीमा लागू सलमान खान की मां के रोल में खूब पसंद की गईं। *